दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

दवाइयां हुईं फेल तो टीवी एक्ट्रेस ...8

सिद्धार्थनगर
शनिवार , 30 मई 2026
वर्ष: 13 अंक : 161 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रुपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

देश की सुरक्षा सबसे पहले...

पश्चिम बंगाल में सीमा पर बाड के लिए ग्रामीणों ने बीएसएफ को सौंपी अपनी जमीन

कूच बिहार जिले के तीन निवासियों ने भारत–बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए अपनी जमीन का एक हिस्सा दान किया है। निवासियों ने बताया कि यह कदम सुरक्षा चिंताओं के कारण उठाया गया है, क्योंकि वर्षों से उचित बाड़ न होने के कारण घुसपैठ, तस्करी और कृषि भूमि को नुकसान हो रहा था। यह घटनाक्रम बंगाल में इस महीने की शुरुआत में सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद सीमावर्ती बुनियादी ढांचे के लिए जमीन सौंपने के व्यापक अभियान के बीच आया है। जमीन दान करने वाले या दानदाताओं से जुड़े निवासियों ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि बाड़ लगने से गांव और आसपास के सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा में सुधार होगा, वहीं राज्य सरकार ने भी चौकियों और कांटेदार तार की बाड़ लगाने के लिए

सीमा सुरक्षा बल को जमीन हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भूमि दानदाताओं में से एक बिकाश राय ने कहा कि यह भूमि गांव के कल्याण और देश की सुरक्षा के लिए दी गई है। उन्होंने कहा कि बाड़बंदी से घुसपैठियों को सीमा पार करने से रोका जा सकेगा और इसके पूरा होने पर गांव और देश दोनों अधिक सुरक्षित हो जाएंगे। समाचार एजेंसी एएनआई ने यह जानकारी दी। राय ने बताया कि उनके परिवार ने 0.2 एकड़ जमीन दी थी, एएनआई ने आगे बताया। उन्होंने कहा कि बाड़ न होने के कारण पहले बांग्लादेश से लोग रात में इलाके में घुस आते थे, मवेशी चुरा लेते थे और सामान ले जाते थे, और इसी तरह घुसपैठ भी होती रही थी। उन्होंने बाड़ लगाने को सरकार का एक अच्छा कदम बताया और कहा कि इससे ग्रामीणों को सुविधा और सुरक्षा मिलेगी। जमीन के मुआवजे के बारे में राय ने कहा कि अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया जारी है, सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और कुछ दिनों में पैसा मिलने की उम्मीद है। यह पहल नवगठित राज्य सरकार की नीति में बदलाव के बाद की गई है, जिसने मई 2026 में सत्ता संभालने के बाद बीएसएफ को भूमि सौंपने को प्राथमिकता दी। 28 मई को सरकार ने बीएसएफ को 142.79 एकड़ भूमि सौंपी। यह 11 मई, 2026 को हुई अपनी पहली कैबिनेट बैठक के 45 दिनों के भीतर 600 एकड़ भूमि हस्तांतरित करने की योजना का हिस्सा है। दानदाताओं में से एक के रिश्तेदार हृदय बर्मन ने सरकार से बाड़ लगाने का काम जल्द से जल्द पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बाड़ पूरी होने के बाद सीमावर्ती क्षेत्र में रहने वाले लोग अधिक सुरक्षित महसूस करेंगे और बताया कि कांटेदार तार न होने के कारण चोरी और तस्करी बड़े पैमाने पर हो रही थी। बर्मन ने कहा कि सीमा पार से लोगों के आने–जाने के कारण कई समस्याएं उत्पन्न हो रही थीं।

कॉकरोच जनता पार्टी को एचसी से बड़ा झटका, एक्स अकाउंट तुरंत बहाल करने ने इनकार

कॉकरोच जनता पार्टी के लिए कानूनी तौर

पर एक बड़ा झटका देते हुए, दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को अभिजीत दिपके के नेतृत्व वाली कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के एक्स खाते को तत्काल बहाल करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया। अदालत ने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट की गई कुछ सामग्री को थोड़ा आपत्तिजनक पाया और संस्थापक दिपके की याचिका पर तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया।

पुलिस भर्ती में तकनीक आधारित निगरानी बढ़ाएं

पारदर्शिता से हो चयन: सीएम योगी के निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुलिस भर्ती प्रक्रियाओं में तकनीक आधारित निगरानी को और सुदृढ़ किया जाए। साथ ही आरक्षण मानकों का पूर्ण पालन करते हुए पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता के साथ अभ्यर्थियों का चयन किया जाए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस को और अधिक सक्षम, आधुनिक और प्रभावी बनाने की दिशा में यह वर्ष महत्वपूर्ण है, क्योंकि प्रदेश पुलिस बल में 81 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया संचालित है। शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के कार्यों की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि भर्ती व पदोन्नति की सभी प्रक्रियाएं निध ारित समय सीमा में पूरी हों। बैठक में अधि ाकारियों ने बताया कि वर्तमान में भर्ती बोर्ड के माध्यम से पुलिस के कुल 81,472 पदों पर भर्ती प्रक्रिया संचालित है।

मृतक आश्रित भर्ती के 201 पद शामिल: इनमें उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों के 4543, होमगार्ड के 41,424, आरक्षी नागरिक पुलिस व समकक्ष पदों के 32,679, कंप्यूटर आपरेटर ग्रेड–ए के 1352, उप निरीक्षक (गोपनीय) व पुलिस सहायक उप निरीक्षक (लिपिक एवं लेखा) के 537, प्रोग्रामर ग्रेड–2 के 55, रेडियो सहायक परिचालक के 44, कुशल खिलाड़ी भर्ती के 637 तथा मृतक आश्रित भर्ती के 201 पद शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि उप निरीक्षक नागरिक पुलिस के लिए दस्तावेजों की जांच व शारीरिक मानक परीक्षण जून में तथा अंतिम परिणाम जुलाई के तीसरे सप्ताह में प्रस्तावित है। होमगार्ड नामांकन–2025 के अंतर्गत दस्तावेजों की जांच व शारीरिक मानक परीक्षण जुलाई में, पीईटी अगस्त में और अंतिम परिणाम सितंबर के दूसरे सप्ताह में जारी किए जाने की तैयारी की गई है।

लिखित परीक्षा आठ, नौ व 10 जून को प्रस्तावित: इसी प्रकार आरक्षी व समकक्ष पदों की लिखित परीक्षा आठ, नौ व 10 जून को प्रस्तावित है। इस परीक्षा के लिए 28 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इसका अंतिम चयन परिणाम अक्टूबर 2026 के अंतिम सप्ताह तक घोषित करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं कुशल खिलाड़ी भर्ती के अंतर्गत सभी 25 खेल विधाओं में परीक्षण सम्पन्न हो चुका है। अंतिम परिणाम जून के दूसरे सप्ताह में प्रस्तावित है। अन्य तकनीकी व लिपिकीय संवर्गों की भर्तियों के लिए भी चरणबद्ध कार्यवाही जारी है।

र्तमान में कुल 9406 पदों पर पदोन्नति प्रक्रिया संचालित

मृतक आश्रित भर्ती के मामलों को लेकर मुख्यमंत्री ने मानवीय और व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाने और नियमों को सरल बनाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में कुल 9406 पदों पर पदोन्नति प्रक्रिया संचालित है। वर्ष 2017 से मई 2026 तक भर्ती बोर्ड द्वारा विभिन्न संवर्गों में कुल 2,21,245 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। इसी अवधि में 1,60,819 पुलिस कार्मिकों को पदोन्नति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस देश की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण पुलिस बलों में से एक है।

कंफर्म टिकट होने पर भी सीट नहीं मिली, रेलवे को भरना होगा 35,000 से अधिक का जुर्माना

नई दिल्ली। एक उपभोक्ता अदालत ने भारतीय रेलवे को यात्रियों को आरक्षित बर्थ उपलब्ध न कराने के लिए जिम्मेदार ठहराया है। भोजपुर उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने रेलवे को उन चार यात्रियों को 20,000 रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है, जिन्हें पूरी ट्रेन यात्रा खड़े होकर पूरी करनी पड़ी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, यह शिकायत तब सामने आई जब विंध्याचल (मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश) से आरा (भोजपुर, बिहार) जा रही एलटीटी पटना एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे चार यात्रियों ने ट्रेन में चढ़ते समय पाया कि उनकी आरक्षित बर्थ पर रेलवे कर्मचारी बैठे हुए थे। शिकायत में कहा गया है कि यात्रियों ने कर्मचारियों से अपनी आरक्षित बर्थ खाली करने का अनुरोध किया, लेकिन उन्हें उनकी सीट नहीं दी गई। कृष्णा प्रताप सिंह (अध्यक्ष) और कमल किशोर सिंह (सदस्य)

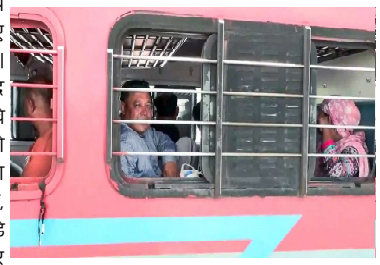

की पीठ ने पाया कि रेलवे की सेवा में खामियों के कारण यात्रियों को ष्मानसिक, शारीरिक और आर्थिक उत्पीड़नष का सामना करना पड़ा। पीठ ने उत्तर मध्य रेलवे और रेल मंत्रालय को आदेश दिया कि वे बुकिंग राशि 1,876. 80 रुपये 8: वार्षिक ब्याज सहित वापस करें और 20,000 रुपये मुआवजे के रूप में तथा 15,000 रुपये मुकदमेबाजी खर्च के रूप में 60 दिनों के भीतर भुगतान करें। आयोग ने आगे कहा कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर भुगतान नहीं किया जाता है, तो शिकायतकर्ता कानूनी प्रक्रिया के माध यम से 10: वार्षिक ब्याज सहित राशि वसूलने का हकदार होगा। शिकायत के अनुसार, यात्रियों ने पहले रेलवे हेल्पलाइन और रेलवे सेवा एवं रेल मंत्रालय सहित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध यम से शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया था। हालांकि, एसएमएस के माध्यम से शिकायत संदर्भ संख्या प्राप्त होने के बावजूद, यात्रियों ने आरोप लगाया कि यात्रा के दौरान कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। यात्रियों ने यह भी बताया कि जब बक्सर स्टेशन पर एक टीटीई (ट्रेन का कर्मचारी) उपस्थित हुआ, तो उन्होंने फिर से यह मुद्दा उठाया, लेकिन कथित तौर पर उन्हें ट्रेन में भारी भीड़ के कारण संभालने के लिए कहा गया।

नीट मुफ्त बस यात्रा : केजरीवाल ने दिल्ली सीएम पर कसा तंज, मुफ्त यात्रा पर श्रेय की होड़

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि पंजाब सरकार के बाद दिल्ली सरकार ने भी नीट 2026 के उम्मीदवारों के लिए मुफ्त बस यात्रा प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस टिप्पणी को नीट परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए मुफ्त बस यात्रा की घोषणा को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री पर एक अप्रत्यक्ष कटाक्ष के रूप में देखा जा रहा है। एक्स पर केजरीवाल ने लिखा कि पंजाब सरकार के बाद अब दिल्ली सरकार ने भी नीट छात्रों के लिए बसें मुफ्त कर दी हैं। इसी बीच, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नीट उम्मीदवारों

के लिए सभी **DTC** बसों में मुफ्त यात्रा की घोषणा की। एक्स को मुख्यमंत्री ने लिखा कि 21 जून को नीट 2026 परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों के समर्थन में, दिल्ली सरकार वैध एडमिट कार्ड दिखाने पर सभी DTC बसों में मुफ्त यात्रा प्रदान करेगी। किसी भी छात्र को ऐसे दिन असुविधा नहीं होनी चाहिए जो उनके भविष्य के लिए इतना महत्वपूर्ण है। सभी नीटउम्मीदवारों को मेरी शुभकामनाएं। उनकी मेहनत और दृढ़ संकल्प उन्हें सफलता दिलाए। इससे पहले, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार नीट परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए बस किराया माफ करेगी, जिससे वे 20, 21 और 22 जून को पंजाब रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगे। फेसबुक पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री मान ने कहा कि नीट की तैयारी कर रहे कई छात्र आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आते हैं और अक्सर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए यात्रा खर्च जुटाने

राहुल गांधी का दिल्ली में ऑटो रिक्शा चालकों संग लंच, बढ़ती फ्यूल कीमतो की सुनी चिंताएं

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को मध्य दिल्ली में ऑटो रिक्शा चालकों से मुलाकात की और उनके साथ दोपहर का भोजन किया। यह अनौपचारिक बातचीत राष्ट्रीय राजध ानी में परिवहन कर्मचारियों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने के उद्देश्य से की गई थी। राहुल गांधी ने बंगाली मार्केट के पास टोडरमल रोड पर लगभग आधा घंटा बिताया, जहां उन्होंने टोडरमल पार्क में जमा हुए चालकों से बातचीत की। इस दौरान, उन्होंने ऑटो रिक्शा चालकों से सीधे बात की और बढ़ते खर्चों, ईंधन की कीमतों

और घटती आय के बारे में उनकी चिंताओं को सुना। इस बातचीत के तहत कांग्रेस सांसद को एक ऑटो चालक के साथ दोपहर का भोजन करते हुए भी देखा गया। यह बातचीत बंगाली मार्केट के पास टोडरमल पार्क में हुई, जो स्थानीय परिवहन कर्मचारियों और यात्रियों द्वारा अक्सर इस्तेमाल किया जाने वाला एक व्यस्त इलाका है। खबरों के अनुसार, राहुल गांध ी ने ड्राइवरों से उनकी रोजमर्रा की कठिनाइयों और परिवहन क्षेत्र को प्रभावित करने वाले वित्तीय दबावों के बारे में बातचीत की। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब दिल्ली और आसपास के शहरों में वाणिज्यिक वाहन संचालक बढ़ती परिचालन लागत और अपर्याप्त किराया संशोधन को लेकर चिंता जता रहे हैं।

माफ कीजिए...हम इसमें दखल नहीं देंगे, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद नहीं जाएंगे जेल, पॉक्सो केस में सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने 29 मई को इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस

आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पीओसीएसओ) के तहत दर्ज मामले में अग्रिम जमानत दी गई थी। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी की याचिका खारिज कर दी। पीठ ने कहा कि क्षमा करें, हम इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। 25 मार्च को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी को पीओसीएसओ अधिनियम के तहत उनके खिलाफ दर्ज एक मामले में अग्रिम जमानत दे दी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने प्रथम शिकायतकर्ता और याचिकाकर्ताओं (स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और शिष्य) दोनों को इस संबंध में मीडिया के समक्ष कोई भी बयान देने से रोक दिया।

सिद्धारमैया ने बेटे यतींद्र के लिए मांगा उपमुख्यमंत्री पद पद, हाईकमान पर दबाव!

बंगलुरु। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि कर्नाटक के निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्य में चल रहे नेतृत्व परिवर्तन के बीच अपने बेटे और एमएलसी यतींद्र सिद्धारमैया के लिए उपमुख्यमंत्री पद की मांग की है। सूत्रों के अनुसार, सिद्धारमैया ने दिल्ली में हुई कई बैठकों के दौरान कांग्रेस उच्च कमान को अपनी यह मांग बताई। पार्टी उनके इस्तीफे के बाद कर्नाटक में अगली सरकार के गठन को अंतिम रूप देने में जुटी हुई है। सूत्रों ने आगे बताया कि सिद्धारमैया ने नेतृत्व को सूचित किया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.जे. जॉर्ज और जी. परमेश्वर ने कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बनने का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। ऐसा माना जा रहा है कि उन्होंने सुझाव दिया है कि दोनों नेताओं को राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किया जाए। ये घटनाक्रम तब सामने आए जब सिद्धारमैया राजधानी में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के साथ लगातार बैठकें कर रहे थे। सिद्धारमैया के कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद, वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली ने शुक्रवार को इस घटनाक्रम को ष्सुचारू परिवर्तनष बताया और कहा कि नेतृत्व में यह बदलाव सिद्धारमैया के दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने के समय से ही तय था।

नीट पेपर लीक पर सुप्रीम कोर्ट की एनटीए को फटकार

कहा– यूपीएससी से सीखो, वहां ऐसी गलती नहीं होती

सुप्रीम कोर्ट ने नीट–यूजी परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को फटकार लगाते हुए पूछा कि निगरानी तंत्र और निगरानी समितियों के होते हुए भी इतनी बड़ी गड़बड़ी कैसे हो सकती है। यूपीएससी से तुलना करते हुए कोर्ट ने कहा कि देश की सर्वोच्च सिविल सेवा परीक्षा में ऐसी घटनाएँ कभी नहीं हुईं और UPSC प्रणाली से सबक लेने की आवश्यकता है। ये टिप्पणियां नीट–यूजी पेपर लीक मामले की सुनवाई के दौरान आईं, जहां सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता NTA

और पूर्व **ISRO** अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति की ओर से पेश हुए। अदालत ने एनटीए और डॉ. राधाकृष्णन द्वारा दायर हलफनामों को रिकॉर्ड में लेते हुए केंद्र को अपना जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय दिया।

सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च स्तरीय समिति से क्या पूछा?: न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा ने डॉ. राधाकृष्णन से समिति की सिफारिशों के बाद हुई निगरानी की सीमा के बारे में प्रश्न किया। यह देखते हुए कि डॉ. राधाकृष्णन निगरानी समिति में नियुक्त होने से पहले उच्च स्तरीय समिति में सेवा दे चुके थे, न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने पूछा कि कार्यान्वयन की वास्तव में कितनी निगरानी हुई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने टिप्पणी की कि यदि निगरानी के बावजूद ऐसी विफलता हुई है, तो निगरानी प्रक्रिया में ही खामियां प्रतीत होती हैं। पीठ ने कहा कि यदि निगरानी के बावजूद यह विफलता हुई, तो निगरानी में कोई न कोई चूक अवश्य हुई होगी। अदालत ने डॉ. राधाकृष्णन से यह भी पूछा कि समिति ने किन बातों पर विचार नहीं किया था, जिसके कारण पहले सुझाए गए सुरक्षा उपायों के बावजूद कागजात लीक हो गए।

समिति द्वारा किन सुधारों की सिफारिश की गई थी?

अदालत की चिंताओं का जवाब देते हुए, डॉ. राधाकृष्णन ने बताया कि समिति ने परीक्षा सुरक्षा और प्रशासन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कुल 101 सिफारिशें प्रस्तुत की थीं।

महोबा दलित छात्र कांड एवं भाजपा नेताओं की संपत्ति जांच की मांग को लेकर कांग्रेस की प्रेस वार्ता सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी बलरामपुर द्वारा शुक्रवार को एक विशेष प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में महोबा की दलित छात्रा के साथ हुई जघन्य घटनाए प्रदेश में बढ़ती महंगाईए बेरोजगारीए भ्रष्टाचार एवं भाजपा सरकार के मंत्रियों और विधायकों की संपत्ति की निष्पक्ष जांच की मांग को प्रमुखता से उठाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शिवलाल कोरी ने की। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव एवं पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह श्धीरूश् ने कहा कि प्रदेश में दलितए महिला एवं कमजोर वर्ग सुरक्षित नहीं हैं। महोबा की घटना मानवता को शर्मसार करने वाली है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अपराधियों पर कार्रवाई करने के बजाय विपक्ष की आवाज दबाने का कार्य कर रही है। एआईसीसी सदस्य एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजबहादुर यादव ने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाओं से

देश के युवा छात्रों का भविष्य बर्बाद हो रहा है। सरकार युवाओं को रोजगार देने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। बढ़ती बेरोजगारी से युवा वर्ग हताश और परेशान है।पूर्व जिला अध्यक्ष अनुज सिंह ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महंगाई चरम सीमा पर पहुंच चुकी है। गैस सिलेंडरए पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में विधायकए सांसद और मंत्री देखते ही देखते करोड़पति बन गए हैं। सबसे पहले भाजपा नेताओं की संपत्तियों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए कि सत्ता में आने से पहले उनकी आर्थिक स्थिति क्या थी और वर्तमान में वे कितनी संपत्ति के मालिक हैं। पीसीसी सदस्य डॉण् पंकज गुप्ता ने कहा कि प्रदेश और देश में भ्रष्टाचारए महंगाई और बेरोजगारी लगातार बढ़ रही हैए लेकिन सरकार इन समस्याओं पर नियंत्रण नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि देश का बेरोजगार युवा आने वाले चुनाव में भाजपा सरकार को सत्ता से बाहर करने का काम करेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष शिवलाल कोरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी लगातार जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठा रही है और भ्रष्टाचार के खिलाफ पार्टी की लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के मंत्रियों एवं विधायकों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग रहे हैंए इसलिए उनकी संपत्तियों की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए ताकि सच्चाई जनता के सामने आ सके। उक्त अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता धर्मेंद्र मिश्राए अवधेश पाल सिंहए पूर्व जिला पंचायत सदस्य सियाराम प्रधानए विजय उपाध्यायए जिला मीडिया प्रभारी बृजेश चौहान सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद रहे।

बलरामपुर-श्रावस्ती सीमा पर बसे मथुरा बाजार का इतिहास समृद्ध, नगर पंचायत के दर्जे का इंतजार

वर्ष 1904 में तहसीलदार मथुरा प्रसाद ने कराई थी बाजार की स्थापना, महाराजा दिग्विजय सिंह ने बनवाया था शिव मंदिर

दैनिक बुद्ध का संदेश / विजय पाल

13 मजरों वाले इस क्षेत्र की 41 हजार आबादी को शहर जैसी सुविधाएं मिलने की जगी उम्मीद, शासन को भेजा गया प्रस्ताव

मथुरा बाजार। बलरामपुर और श्रावस्ती जनपद की सीमा पर स्थित मथुरा बाजार का इतिहास करीब 112 वर्ष पुराना और बेहद गौरवशाली रहा है। यह क्षेत्र न केवल अपनी ऐतिहासिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि दो जिलों की

सीमाओं को जोड़ने के कारण इसका व्यापारिक महत्व भी लगातार बढ़ता जा रहा है। बाजार में स्थित भव्य शिव मंदिर यहां के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। 13 मजरों वाले ग्राम पंचायत मथुरा बाजार को नगर पंचायत का दर्जा दिलाने की कवायद लंबे समय से चल रही है। यदि इसे नगर पंचायत का दर्जा मिल जाता है तो यहां की करीब 41 हजार आबादी को शहर जैसी आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार यहां की आबादी 31,431 थी, जो वर्तमान समय में बढ़कर लगभग 40,500 से अधिक पहुंच चुकी है। क्षेत्र का जनसंख्या घनत्व 1,813 बताया जा रहा है। मथुरा बाजार के पूर्व प्रधान कैलाशनाथ कसौधन ने बताया कि वर्ष 1904 में तत्कालीन तहसीलदार मथुरा प्रसाद ने आसपास के ग्रामीणों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस बाजार की स्थापना कराई थी। बाद में बलरामपुर स्टेट के महाराजा दिग्विजय सिंह ने यहां भव्य शिव मंदिर का निर्माण कराया, जो आज भी क्षेत्र की पहचान बना हुआ है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में आसपास के 120 से अधिक गांवों की करीब डेढ़ लाख आबादी दैनिक जरूरतों और व्यापारिक सामानों की खरीदारी के लिए इसी बाजार पर निर्भर है। यहां बर्तन, कपड़े, जेवरात समेत दैनिक उपयोग की लगभग सभी वस्तुएं आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं। मथुरा बाजार में शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ी कई महत्वपूर्ण सुविधाएं मौजूद हैं। क्षेत्र का राम शंकर भारतीय इंटर कॉलेज

वर्षों से ग्रामीण अंचल के बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। इसके अलावा यहां एक डिग्री कॉलेज, एक अन्य इंटर कॉलेज और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी संचालित है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस चौकी, व्यापारिक प्रतिष्ठान, निजी नर्सिंग होम, राष्ट्रीयकृत बैंक और एटीएम जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। पुलिस चौकी को पूर्ण थाने के रूप में विकसित करने के लिए भवन निर्माण कार्य भी पूरा कराया जा चुका है, जिससे जल्द ही यहां थाने का संचालन शुरू होने की संभावना है। क्षेत्र के प्रमुख नागरिक शिव कुमार गुप्त, विनय कुमार सोनी, दीनानाथ सोनी, निरंजन सोनी और शिव प्रताप नारायण सैनी का कहना है कि मथुरा बाजार अब एक विकसित कस्बे का रूप ले चुका है। राप्ती नदी पर पुल निर्माण कार्य शुरू होने से यह क्षेत्र भविष्य में दिल्ली, लखनऊ, बहराइच, गोंडा और जिला मुख्यालय से बेहतर सड़क संपर्क के जरिए सीधे जुड़ जाएगा। इससे व्यापार और आवागमन दोनों को नया विस्तार मिलेगा। एडीएम (वित्त एवं राजस्व) ज्योति राय ने बताया कि मथुरा बाजार नगर पंचायत बनने के लगभग सभी मानकों को पूरा करता है। नगर पंचायत का दर्जा दिलाने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। शासन से मंजूरी मिलने के बाद आगे की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी।

वृक्षारोपण के लिए सभी विभागों के अधिकारी करें स्थलों का चयन-डीएम

विभागीय योजनाओं में शत-प्रतिशत कार्य करके प्रगति लाने के निर्देश-डीएम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित, विभागीय योजनाओं में शत–प्रतिशत प्रगति लाने के निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर संचालित विकास कार्यों एवं विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में जनपद स्तर पर संचालित योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने फैमिली आईडी,वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, बाल विकास परियोजना एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा संचालित सैम एवं मैम बच्चों से संबंधित योजनाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की।इसके अतिरिक्त सेतुओं के निर्माण कार्य, लेखपाल प्रशिक्षण केंद्र तथा सिंचाई विभाग द्वारा संचालित परियोजनाओं की प्रगति का भी

परीक्षण किया गया।समीक्षा के दौरान डीएम ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में शत–प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करते हुए जनपद की रैंकिंग में सुधार लाने के लिए विशेष प्रयास सुनिश्चित किए जाएं।उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। इसके उपरांत जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा समिति की समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई।बैठक में डीएम ने वृक्षारोपण अभियान को प्रभावी एवं सफल बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों को शीघ्र स्थल चयन कर विस्तृत कार्ययोजना एवं एक्शन प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने नर्सरी चिन्हित करते हुए पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी बल दिया।डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वृक्षारोपण एवं अन्य विकास कार्यों के प्रारंभ से पूर्व तथा कार्य पूर्ण होने के उपरांत की फोटोग्राफ पीपीटी के माध्यम से आगामी बैठकों में प्रस्तुत की जाएं, जिससे कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का प्रभावी मूल्यांकन किया जा सके।बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जनपद के सभी अस्पतालों से निकलने वाले बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण शासन की गाइडलाइन एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए, ताकि पर्यावरण संरक्षण एवं जनस्वास्थ्य सुरक्षा बनी रहे।बैठक में जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा में डॉ. प्रीतम शुक्ला को मिली बड़ी जिम्मेदारी, बने युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद के सक्रिय युवा समाजसेवी एवं राजनीतिक कार्यकर्ता डॉ. प्रीतम शुक्ला को राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा (रा.।.ड.) में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन की ओर से जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार उन्हें तत्काल प्रभाव से युवा मोर्चा बहराइच का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जारी पत्र में बताया गया कि संगठन के राष्ट्रीय संयोजक अलंकार अग्निहोत्री के निर्देश पर डॉ. प्रीतम शुक्ला की संगठन के प्रति सक्रियता, निष्ठा एवं संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए यह जिम्मेदारी दी गई है। संगठन ने विश्वास जताया है कि डॉ. शुक्ला अपनी नई जिम्मेदारी का पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे तथा संगठन की नीतियों और विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। गौरतलब है कि हाल ही में डॉ. प्रीतम शुक्ला ने कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता एवं सभी राजनीतिक पदों से इस्तीफा दिया था। प्रीतम शुक्ला ने लिखा था कृ "मैं कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और सभी राजनीतिक पदों से इस्तीफा देता हूं। जय हिंद, जय भारत। (2018–2026) तक का सफर आज पूर्ण हुआ।" उन्होंने एक भावुक संदेश भी साझा कियाकृ ष्खुद को इतना कमजोर मत समझो कि किसी के बर्ताव से टूट जाओ, हम वो हैं जो पत्थर काट कर भी अपना रास्ता निकाल लेते हैं।ष इसके बाद अब राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा में उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने से जिले के राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर लोटन में होगी विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर शनिवार को विकासखंड लोटन सभागार में "राष्ट्र निर्माण में हिंदी पत्रकारिता का योगदान" विषय पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम संयोजक एवं मान्यता प्राप्त पत्रकार संदीप कुमार मद्धेशिया ने बताया कि आयोजित गोष्ठी में हिन्दी पत्रकारिता की ऐतिहासिक भूमिका, वर्तमान दौर की चुनौतियों तथा बदलते मीडिया परिवेश पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में क्षेत्र के पत्रकारों, बुद्धिजीवियों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की सहभागिता रहेगी। उन्होंने बताया कि पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों को पूर्वांचल के वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय अनिल कुमार श्रीवास्तव की स्मृति में "पत्रकार अनिल कुमार श्रीवास्तव सम्मान" से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान समाजहित एवं जनसरोकारों से जुड़ी निष्पक्ष पत्रकारिता करने वाले पत्रकारों को प्रदान किया जाएगा। संदीप कुमार मद्धेशिया ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता ने हमेशा लोकतंत्र को मजबूत करने, आमजन की आवाज शासन–प्रशासन तक पहुंचाने तथा सामाजिक सरोकारों को प्रमुखता से उठाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल मीडिया के दौर में पत्रकारिता के सामने नई चुनौतियां जरूर खड़ी हुई हैं, लेकिन निष्पक्ष, जिम्मेदार और जनपक्षधर पत्रकारिता की आवश्यकता आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण बनी हुई है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं।

लोटन पुलिस ने चार लोगों को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली लोटन पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से चार लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार एवं क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत शौर्यन के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष हरिओम कुशवाहा के नेतृत्व में की गई। पुलिस ने धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत धर्मचंद, शांति, कपूरी और मंजू को गिरफ्तार किया। कार्रवाई में उपनिरीक्षक रविन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल सुनील दत्त यादव एवं महिला कांस्टेबल कीर्ति शामिल रहीं।

डीएम की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक हुई आयोजित

स्वास्थ्य योजनाओं/कार्यक्रमों के संचालन एवं आउटपुट की सतर्क मॉनीटरिंग के दिये गये निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर । जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। जिलाधिकारी द्वारा बैठक में जिला स्तर पर विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों, स्वास्थ्य संकेतकों की अद्यतन स्थिति एवं प्रगति पर बिंदुवार समीक्षा की गयी। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा एजेंडा बिंदु सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति एवं लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति से अगवत कराया गया। जिलाधिकारी ने स्वास्थ एवं चिकित्सा सहित सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में कदापि लापरवाही न बरती जाए, बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का रूटीन टीकाकरण, बच्चों में कुपोषण के स्थिति की जांच आदि की विभागीय स्तर पर नियमित समीक्षा की जाए। बैठक में जिला स्वास्थ्य समिति(शासी निकाय) के पिछली बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की गयी। बैठक में वर्तमान समय में हीट वेव/लू से बचाव के दृष्टिगत जिलाधिकारी द्वारा समस्त चिकित्साधिकारियों को आवश्यक संसाधनों, दवाओं आदि की उपलब्धता सुनिश्चित रखने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद में संस्थागत प्रसव का आंकड़ा घटने पर जिलाधिकारी

द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया शत प्रतिशत प्राइवेट एवं घरेलू प्रसव की ट्रैकिंग करायें एवं संस्थागत प्रसव बढ़ाये जाने हेतु प्रभावी रणनीति बनायें। जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभार्थी भुगतान शत प्रतिशत किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। बाल मृत्यु की रिपोर्टिंग एमपीसी डीएसआर पोर्टल पर कम होने के कारण जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई तथा बघौली, बेलहरकला, नाथनगर, मेंहदावल, सांथा व पौली के बीसीपीएम को स्पष्टीकरण जारी करने हेतु निर्देशित किया गया। समीक्षा के दौरान एचबीएनसी एवं एचबीवाईसी कार्यक्रम में मेंहदावल एवं सांथा ब्लॉक की उपलब्धि कम होने के कारण जिलाधिकारी ने संबंधित अधीक्षक को प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना के व्यवस्थित संचालन, ग्रामीण स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकत्रियों जैसे–आशा एवं ए0एन0एम0 की कार्य प्रणाली, संस्थागत प्रसव, आभा आई0डी0, आशाओं का भुगतान आदि से सम्बंधित समस्त चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित जितनी भी सेवाओं/योजनाओं का संबंध ग्रामीण स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकत्रियों (आशा/एएनएम) से है उसकी समीक्षा अनिवार्य रूप से सम्बंधित चिकित्साधिकारीगण एक–एक आशा/एएनएम के सापेक्ष सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य योजनाओं/कार्यक्रमों के संचालन एवं आउटपुट की सतर्क मॉनीटरिंग भी की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी चिकित्साधिकारी अपने चिकित्सालयों में मरीजों के उचित देखभाल से संबंधित बेसिक सुविधाओं जैसे–बैठने की व्यवस्था, पानी, शौचालय, व्हीलचेयर सहित अन्य चिकित्सीय उपकरणों आदि के सुचारू संचालन सुनिश्चित रखें। जिलाधिकारी द्वारा जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, जिला क्षय रोग समिति, संचारी रोग, रेवीज़ टीकाकरण, स्नेक बाइट वैक्सीन की उपलब्धता, चिकित्सालयों में चिकित्सकों एवं दवाओं की उपलब्धता सहित मरीजों के हित में स्वास्थ्य संबंधित उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं/सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 रामानुज कन्नौजिया, सीएमएस डॉ0 रमाशंकर सिंह, एसीएमओ डॉ0 रामरतन, डॉ0 महेन्द्र प्रसाद, डीएमएचसी संगीता, दीनदयाल, सुरजीत सिंह, बृजेश कुमार, स्वास्थ्य संस्थानों के प्रतिनिधि सहित चिकित्सालयों के एम0ओ0आई0सी0 व अन्य सम्बंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

किशोरी को बहला–फुसलाकर भगाने का आरोप, युवक पर मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना क्षेत्र की एक किशोरी को बहला–फुसलाकर भगा ले जाने के आरोप में पुलिस ने शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के एक युवक के खिलाफ अपहरण सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने किशोरी को बरामद कर लिया है, जबकि आरोपी युवक की तलाश जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चिल्हिया थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने गुरुवार शाम करीब चार बजे चिल्हिया थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया कि शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव का दूसरे समुदाय का युवक उसकी पुत्री को शादी का झांसा देकर बहला–फुसलाकर भगा ले गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए चिल्हिया पुलिस ने आरोपी युवक के विरुद्ध अपहरण सहित अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस टीम किशोरी की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी में जुट गई थी। चिल्हिया थाना प्रभारी राजेश गुप्ता ने बताया कि शुक्रवार सुबह पुलिस टीम ने किशोरी को बरामद कर लिया है। वहीं आरोपी युवक की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

लोगों को गर्मी से मिली राहत

गोरखपुर । शुक्रवार को तेज गरज चमक और तेज हवाओं के साथ आई तेज बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। मालूम हो कि मौसम विभाग भी 28 मई के बाद मौसम बदलने और गर्मी से राहत मिलने की संभावना जताई थीं। मौसम खराब होने की चेतावनी भी 28 मई को रात बारह बजे के बाद लोगों को आने लगें। सुबह लगभग पांच बजे हुई तेज गरज चमक और तेज हवाओं के साथ तेज बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया। करीब बीस मिनट तक हुई बारिश ने वातावरण को ठंडा बना दिया। लोगों को जहां लू, गर्मी से राहत मिली वहीं तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मालूम हो कि तेज धूप, गर्मी और लू से लोगों की दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो गईं थीं। मौसम के जानकारों की मानें तो मौसम आज 30 मई को भी ऐसे ही रह सकता है।

बारह साल विकास के विश्वास एवं जनकल्याण को लेकर भाजपा कार्यशाला आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय सिद्धार्थनगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर "बारह साल विकास के विश्वास एवं जनकल्याण" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी हरिचरण कुशवाहा उपस्थित रहे। कार्यशाला में विधायक राजा जयप्रताप सिंह एवं विधायक श्यामधनी राही, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों

पर विस्तार से चर्चा की। जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या ने अपने संबोधन में कहा कि 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस से 21 जून अंतराष्ट्रीय योग दिवस तक संगठन द्वारा विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान जनजागरूकता, सेवा एवं संपर्क से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभियान की शुरुआत "एक पेड़ मां के नाम" कार्यक्रम से होगी, जिसके अंतर्गत सभी कार्यकर्ता अपनी माता के सम्मान में एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे। मुख्य अतिथि हरिचरण कुशवाहा ने कार्यकर्ताओं से सरकार की योजनाओं को घर–घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। विधायक राजा जयप्रताप सिंह कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। विधायक श्यामधनी राही ने संगठन की मजबूती और जनसेवा को प्राथमिकता देने पर बल दिया। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करते हुए जनसंपर्क अभियान को लेकर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कार्यक्रम का संचालन फूलचंद जायसवाल ने किया। इस अवसर पर अभियान संयोजक मनोज मौर्या, निवर्तमान जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान, श्रीमती साधना चौधरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा शिवनाथ चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष रामकुमार कुंवर, विजयकांत चतुर्वेदी, आशीष शुक्ला, महामंत्री फतेहबहादुर सिंह, कुंवर विक्रम सिंह, दिलीप चतुर्वेदी, अजय उपाध्याय, सच्चिदानंद चौबे,मंत्री सिद्धार्थ शंकर पाठक पूर्व जिला उपाध्यक्ष घनश्याम मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी रमेश मणि, प्रभात तिवारी,अर्चिषमान मिश्रा सहित सभी जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीजल संग्रहण पर प्रशासन सख्त, अफवाहों से बचें : डीएम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। वैश्विक परिस्थितियों और डीजल आपूर्ति को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच जिले में डीजल के अनावश्यक संग्रहण की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। खासकर किसान वर्ग द्वारा बड़ी मात्रा में डीजल खरीदकर भंडारण किए जाने की सूचनाओं को प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। इस संबंध में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा एन ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि लोग अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकता के अनुसार ही डीजल खरीदें। जिलाधिकारी ने कहा कि डीजल जैसे ज्वलनशील पदार्थ का अनियंत्रित एवं अवैध संग्रहण न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि इससे किसी भी समय गंभीर अग्निकांड या अन्य बड़ी दुर्घटना हो सकती है। बिना निर्धारित अनुमति के बड़ी मात्रा में डीजल का भंडारण पेट्रोलियम अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है और ऐसे मामलों में प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा। उन्होंने बताया कि कुछ क्षेत्रों से यह सूचना मिल रही है कि आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका के चलते लोग जरूरत से अधिक डीजल खरीदकर घरों और खेतों में जमा कर रहे हैं। इससे कृत्रिम संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है और जरूरतमंद उपभोक्ताओं, विशेषकर किसानों, को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। डीएम ने कहा कि जिले में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता बनाए रखने के लिए प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है तथा संबंधित एजेंसियों के संपर्क में है। आमजन को घबराने की आवश्यकता नहीं है। यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से डीजल का संग्रहण करते हुए पाया गया तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें और ईंधन संबंधी किसी समस्या की सूचना तत्काल प्रशासन या पूर्ति विभाग को दें। साथ ही समस्त उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी को निर्देशित किया गया है कि पेट्रोल पंपों की सतत निगरानी करें और डीजल–पेट्रोल का दुरुपयोग अथवा अवैध संग्रहण करने वालों को चिन्हित कर कार्रवाई सुनिश्चित करें।

बांसी में पेयजल व्यवस्था ध्वस्त, शुद्ध पानी के लिए तरस रहे लोग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। बांसी की आदर्श नगर पालिका परिषद में पेयजल व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। नगर के कई वार्डों में लोगों को शुद्ध पेयजल के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद नगर की जलापूर्ति व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका है। जानकारी के अनुसार वर्ष 1999–2000 में

बांसी–डुमरियागंज मार्ग स्थित प्रतापनगर वार्ड में 550 किलोलीटर क्षमता का ओवरहेड टैंक 89.20 लाख रुपये की लागत से बनाया गया था। इसी ओवरहेड टैंक से जोड़कर प्रतापनगर और पटेलनगर में दो पंप हाउस का निर्माण भी कराया गया था। इस योजना के तहत प्रतापनगर, पटेलनगर और इंदिरानगर वार्ड में नियमित जलापूर्ति होनी थी, लेकिन मुख्य पाइप लाइन के क्षतिग्रस्त होने और पाइप लाइन विस्तार अधूरा रहने के कारण आज तक इन क्षेत्रों में समुचित पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ओवरहेड टैंक और पंप हाउस बने होने के बावजूद तीनों वार्डों के निवासी आज भी शुद्ध पानी के लिए परेशान हैं। वहीं बांसी ब्लॉक के पास स्थापित पंप हाउस से पंतनगर, आर्यनगर, राप्तीनगर, अकबरनगर, शंकरनगर, टेकधरनगर, राजेंद्रनगर, गौतमबुद्धनगर तथा आंशिक अशोकनगर सहित लगभग पूरे कस्बे में पानी की सप्लाई की जाती है। लेकिन एक ही पंप हाउस पर अत्यधिक निर्भरता और वार्डों की दूरी अधिक होने के कारण पर्याप्त दबाव से पानी नहीं पहुंच पा रहा है। इससे नगरवासियों को भीषण गर्मी में पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। नगर के लोगों का मानना है कि यदि नरकटहा और बांसी के बीच विभिन्न वार्डों में तीन से चार नए पंप हाउस स्थापित कर दिए जाएं तो सभी वार्डों में पर्याप्त पानी की आपूर्ति संभव हो सकेगी। लेकिन नगर पालिका परिषद अब तक इसके लिए उपयुक्त जमीन तलाशने में सफल नहीं हो सकी है, जिससे समस्या जस की तस बनी हुई है।

चोड़ार व डोहरिया बुजुर्ग चौपाल में सचिवों ने दी ब्लॉक स्तरीय योजनाओं की जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को शोहरतगढ़ विकास खंड के ग्राम पंचायत चोड़ार एवं डोहरिया बुजुर्ग में "गांव की समस्या, गांव में समाधान" अभियान के तहत ग्राम चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चोड़ार में चौपाल की अध्यक्षता सचिव अजय भारतीया ने की, जबकि डोहरिया बुजुर्ग में कार्यक्रम का संचालन सचिव गौरव श्रीवास्तव की देखरेख में संपन्न हुआ। चौपाल कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। सचिवों ने कहा कि शासन स्तर पर ग्राम चौपाल कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का गांव में ही त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है, ताकि लोगों को अनावश्यक भागदौड़ न करनी पड़े। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए 21 दिनों के भीतर आवेदन अवश्य करें, जिससे प्रक्रिया सरल और सुविधाजनक बनी रहे। कार्यक्रम में राशन कार्ड, फैमिली आईडी, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, किसान सम्मान निधि, व्यक्तिगत शौचालय योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री सड़क दुर्घटना सहायता योजना, जीवन ज्योति योजना एवं अटल पेंशन योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी विस्तारपूर्वक दी गई। इस दौरान चोड़ार में सचिव अजय भारतीया, प्रधान प्रतिनिधि अमन, पंचायत सहायक सविता सहित गाँव के रामनरेश, मीरा, गुजराती आदि मौजूद रहे तो वहीं डोहरिया बुजुर्ग में सचिव गौरव श्रीवास्तव, प्रशासक ग्राम प्रधान राजेन्द्र प्रसाद, पंचायत सहायक अंकित, रोजगार सेवक योगेंद्र, सफाई कर्मी जय प्रकाश सहित गाँव के रामधनी, रीता, पार्वती, विमला, राजमती, नन्दलाल, तबारक अली, गंगाराम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

शोहरतगढ़ ब्लॉक में अभियान के तहत हो रहा है एंटी लार्वा छिड़काव

दैनिक बुद्ध का संदेश

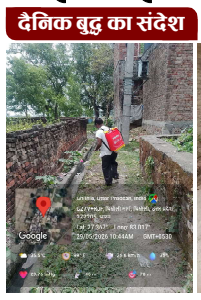

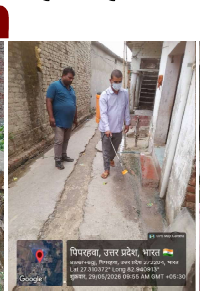

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से शोहरतगढ़ विकास खंड में 28 मई से एंटी लार्वा छिड़काव अभियान की शुरुआत कर दी गई है। अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में निर्धारित तिथियों के अनुसार छिड़काव कराया जा रहा है। किस दिन किस ग्राम पंचायत में छिड़काव होना है, इसका विस्तृत विवरण जारी किए गए चार्ट में अंकित किया गया है। आर. टी.आई. एक्टिविस्ट एवं समाजसेवी देवेश मणि त्रिपाठी ने बताया कि यह विकास खंड शोहरतगढ़ में एंटी लार्वा छिड़काव का प्रथम चरण है। मच्छरों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कुल चार चरणों में

छिड़काव कराया जाएगा। प्रत्येक चरण के बीच लगभग आठ से दस दिन का अंतराल रखा जाएगा, ताकि मच्छरों के लार्वा को पूरी तरह समाप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि अभियान की सफलता जनसहभागिता पर भी निर्भर करती है। प्रत्येक नाली, जलजमाव वाले स्थान और गांव के हर टोले में छिड़काव सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। यदि किसी ग्राम पंचायत में निर्धारित तिथि पर छिड़काव नहीं किया जा रहा हो अथवा केवल खानापूर्ति की जा रही हो, तो इसकी सूचना मोबाइल नंबर 8176092291 पर देने की अपील की गई है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से डेंगू, मलेरिया एवं अन्य संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए अभियान में सहयोग करने तथा अपने आसपास साफ–सफाई बनाए रखने की अपील की।

नाबालिग के अपहरण व छेड़खानी मामले में बाल अपचारी संरक्षण में

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। सिद्धार्थनगर जिले की खेसरहा पुलिस ने नाबालिग के अपहरण और छेड़खानी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक बाल अपचारी को संरक्षण में लिया है। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे माननीय न्यायालय भेज दिया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभियान के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के आदेश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेन्दु सिंह के पर्यवेक्षण में की गई। थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 68/2026 से संबंधित बाल अपचारी को संरक्षण में लिया। मामला धारा 137(2), 74 बीएनएस एवं 7/8 पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज है। बाल अपचारी को संरक्षण में लेने वाली टीम में चौकी प्रभारी कुन्जबिहारी, हेड कांस्टेबल विनोद कुमार चौहान तथा कांस्टेबल अखिलेश कुमार शामिल रहे।

एसी कमरों की रिपोर्ट नहीं, जमीन की सच्चाई देखिए– विनय वर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में चल रहे कटान रोधी कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति को लेकर विधायक विनय वर्मा ने जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर पर गंभीर सवाल उठाए हैं। विधायक ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में करोड़ों रुपये की योजनाओं में अनियमितता और लीपापोती की जा रही है, जबकि अधिकारियों की रिपोर्ट जमीनी हकीकत से बिल्कुल अलग है। विधायक विनय वर्मा ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि क्षेत्र की जनता द्वारा भेजे गए वीडियो और ग्राउंड रिपोर्ट में कटान रोधी कार्यों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट दिखाई दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी एसी कमरों में बैठकर जिलाधिकारी को गुमराह कर रहे हैं और अधूरे तथा खराब कार्यों को सही बताने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पूर्व में जिलाधिकारी से अनुरोध किया था कि करोड़ों रुपये की योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए स्वयं मौके पर पहुंचकर जनप्रतिनिधियों, जनता और मीडिया की मौजूदगी में कार्यों का सत्यापन करें, ताकि किसी प्रकार की शंका न रहे। लेकिन प्रशासन द्वारा इस मांग को गंभीरता से नहीं लिया गया। विधायक ने कहा कि यदि बारिश और मानसून के दौरान अधूरे या खराब कार्यों के कारण कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी जिलाधिकारी की होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक अधिकारी भ्रष्टाचार में संलिप्त लोगों की पीठ थपथपा रहे हैं और जनता की शिकायतों को नजरअंदाज कर रहे हैं। विनय वर्मा ने कहा कि वह इस मामले को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के समक्ष भी उठाएंगे, ताकि करोड़ों रुपये की कटान रोधी योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट न चढ़ें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की जीरो करप्शन नीति को कुछ अधिकारियों द्वारा कमजोर नहीं होने दिया जाएगा।विधायक ने जिलाधिकारी से पुनः मांग की कि मानसून शुरू होने से पहले 15 जून तक सभी कटान रोधी कार्य गुणवत्ता के साथ पूरे कराए जाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही असली मालिक है और उसकी अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

खेसरहा पुलिस की बड़ी सफलता, साइबर फ्रॉड के 21 हजार रुपये कराए वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। खेसरहा थाना पुलिस ने साइबर फ्रॉड के शिकार व्यक्ति की रकम वापस कराकर बड़ी सफलता हासिल की है। अनजान लिंक डाउनलोड करने के कारण ऑनलाइन ठगी का शिकार हुए व्यक्ति के खाते में ध्21 हजार की धनराशि वापस कराई गई। यह कार्रवाई डॉ. अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में साइबर अपराध एवं साइबर क्राइम रिकवरी अभियान के तहत की गई। अभियान का संचालन अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बांसी शुभेंदु सिंह के पर्यवेक्षण में किया गया। थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्रा के नेतृत्व में थाना खेसरहा साइबर सेल टीम ने तत्परता दिखाते हुए कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार आवेदक जलालुद्दीन पुत्र निजामुद्दीन निवासी झुड़िया बुजुर्ग थाना खेसरहा ने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत संख्या 33105260119335 दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि 28 मई 2026 को अनजान लिंक डाउनलोड करने के बाद उनके खाते से ध्21 हजार की ऑनलाइन ठगी हो गई थी। शिकायत मिलने के बाद थाना खेसरहा साइबर सेल टीम ने बैंक के समन्वय से त्वरित कार्रवाई करते हुए शुक्रवार 29 मई 2026 को पूरी धनराशि पीड़ित के खाते में वापस करा दी। इस सराहनीय कार्य में साइबर सेल प्रभारी राघवेंद्र प्रताप यादव, कांस्टेबल देवेश मिश्रा, आरक्षी नीरज कुमार तथा महिला कांस्टेबल रम्भा यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आयुष्मान कार्ड की धीमी प्रगति पर डीएम नाराज, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला स्वास्थ्य समिति (डीएचएस) एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता तथा मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति धीमी पाए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिया कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत जिन अस्पतालों में कार्ड का लाभ दिया जा रहा है, वहां मेडिकल कॉलेज सहित सभी सीएचसी एवं पीएचसी पर वाल पेंटिंग कराई जाए तथा लक्ष्य के अनुरूप तेजी से आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। जिलाधिकारी ने उपमुख्य चिकित्सा अधिकारियों को नियमित क्षेत्र भ्रमण करने तथा आयुष्मान सेंटर समय से खुलवाने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त एमओआईसी को निर्देशित किया कि जो आशाएं

डिलीवरी नहीं करा रही हैं, उन्हें चिन्हित कर नोटिस जारी किया जाए। साथ ही स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी गर्भवती महिला का प्रसव घर पर नहीं होना चाहिए और सभी डिलीवरी अस्पताल में ही कराई जाएं। घर पर प्रसव होने की स्थिति में संबंधित एमओआईसी को जिम्मेदार माना जाएगा। बैठक में एनबीएसयू को 24 घंटे सक्रिय रखने, वार रूम के नियमित निरीक्षण तथा बीएचएनडी दिवस पर हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं को चिन्हित कर बेहतर इलाज एवं आवश्यक सावधानियां सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने एएनएम, आशा एवं सीएचओ को सभी आवश्यक किट उपलब्ध कराने तथा बीएचएनडी दिवस पर समन्वय बनाकर कार्य करने को कहा। जिलाधिकारी ने अनटाइड फंड, परिवार नियोजन, टीकाकरण अभियान, पीसीपीएनडीटी, रोगी कल्याण समिति एवं हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी मरीज को अनावश्यक परेशान न किया जाए तथा बाहर की दवाएं न लिखी जाएं। सभी विकासखंडों में लक्षणयुक्त टीबी मरीजों की पहचान कर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. ए.के. झा, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, डैम राजेश मिश्रा, डीसीपीएम सहित समस्त सीएचसी/पीएचसी के एमओआईसी, बीपीएम एवं बीसीपीएम उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

सिद्धारमैया के इस्तीफे से नए दौर की शुरुआत

गौरतलब है कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को 2018–23 तक पद पर बनाये रखा, जबकि उनके सहयोगी और प्रतिद्वंद्वी टीएस सिंह देव लगातार उन पर दबाव डाल रहे थे। पंजाब में, पार्टी ने साल 2022 के विध ानसभा चुनावों से ठीक पांच महीने पहले कैप्टन अमरिंदर को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। सत्ता विरोधी लहर का मुकाबला करने के उद्देश्य से उठाया गया यह कठोर ...

कभी भाजपा के गढ़ रहे कर्नाटक में कांग्रेस की सत्ता वापसी में डी.के. शिवकुमार की बड़ी भूमिका मानी जाती रही है। जिस ऊर्जा व तेवरों से, उन्होंने पिछला विधानसभा चुनाव कांग्रेस सगंठन व कार्यकर्ताओं को एकजुट करके लड़ाया, उससे उम्मीद थी सरकार बनने के बाद उनकी ही ताजपोशी होगी। वे न केवल संगठन के सूत्रधार ही थे, बल्कि उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों का त्रास भी झेला था। बहरहाल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से सिद्धारमैया के इस्तीफे ने अब तक उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभाते रहे डी.के. शिवकुमार की पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है। देर से ही सही कांग्रेस हाईकमान ने उस चूक को दुरुस्त किया है, जिसके चलते कई राज्यों में नेतृत्व चयन की गफलत की बड़ी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी थी। बहरहाल, 77 वर्षीय सिद्धारमैया की सरकार ने पिछले ही सप्ताह अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे किए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ा है। हालांकि, राज्यभर में उनके समर्थकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन संकेत देते हैं कि इस नेतृत्व परिवर्तन को एक सामान्य बदलाव के रूप में नहीं देखा जा सकता। कयास लगाए जा रहे हैं कि मौजूदा बदलाव मई 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद सत्ता साझाकरण की बारी–बारी से व्यवस्था की अटकलों को बल देता प्रतीत होता है। हालांकि, कांग्रेस पार्टी इस बात से इनकार करती है लेकिन ऐसा लगता है कि सत्ता के बंटवारे के इस समझौते ने कर्नाटक में पार्टी की आंतरिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। इस बदलाव के लिये लंबे समय तक प्रतीक्षारत रहे डी.के. शिवकुमार अब इस प्रतिष्ठित पद के लिये और इंतजार करते नहीं दिखायी दे रहे थे। जाहिरा तौर पर पहले की तरह वर्ष 2028 के चुनावी संग्राम के लिये पार्टी को तैयार करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। उन्हें अगले दो वर्षों में राज्य में सुशासन को प्राथमिकता देनी होगी। इस बात को कुछ देर से ही सही, पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने महसूस तो किया है। राजनीतिक पंडित मान रहे हैं कि कांग्रेस नेतृत्व को देर–सवेर अहसास होने लगा था कि जिस कर्नाटक को भाजपा दक्षिण का द्वार बताकर विगत में वर्चस्व बना चुकी है, वहां पार्टी को नेतृत्व–द्वंद्व का नुकसान हो सकता था। जिसकी पूर्ति तेज–तर्रार डी.के. शिवकुमार जैसे नेतृत्व से ही संभव हो सकती है। निर्विवाद रूप से वे अपेक्षाकृत कम उम्र के जुझारू राजनेता के रूप में पहचान रखते हैं। उन्हें कुशल चुनावी रणनीतिकार के रूप में जाना जाता रहा है। बहरहाल, अब कांग्रेस पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्य में पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और दलितों का समर्थन बरकरार रखना है। माना जाता है कि इन वर्गों में सिद्धारमैया की खासी मजबूत पकड़ रही है। वहीं दूसरी ओर निवर्तमान मुख्यमंत्री द्वारा केंद्र की राजनीति में भूमिका को स्वीकार करने के लिये दिए गए प्रस्ताव पर अनिच्छा जताने ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। बहरहाल, इसी तरह के अनिर्णय व असमंजस की स्थिति का नुकसान विगत में कांग्रेस कई राज्यों में उठा चुकी है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को 2018–23 तक पद पर बनाये रखा, जबकि उनके सहयोगी और प्रतिद्वंद्वी टीएस सिंह देव लगातार उन पर दबाव डाल रहे थे। पंजाब में, पार्टी ने साल 2022 के विधानसभा चुनावों से ठीक पांच महीने पहले कैप्टन अमरिंदर को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। सत्ता विरोधी लहर का मुकाबला करने के उद्देश्य से उठाया गया यह कठोर कदम कांग्रेस को बड़ा झटका दे गया था। कर्नाटक कांग्रेस के लिये दक्षिणी राज्यों में पकड़ बनाने की नीतियों की वजह से एक महत्वपूर्ण राज्य है। विगत में राज्य में भाजपा की पकड़ मजबूत रही है। यहां पार्टी का मजबूत संगठन मौजूद भी है। बहरहाल, कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका यह दांव शिवकुमार और सिद्धारमैया के नेतृत्व वाले गुटों के बीच मतभेद को बढ़ाने वाला साबित न हो। बल्कि मिल–जुलकर पार्टी संगठन को मजबूती देने के प्रयास हों।

महज विरोध के लिए विरोध करने का फलसफा

या तो हम बहुत नादान हैं या फिर निरे मूर्ख। तेल में आई महंगाई को हम पॉजिटिव रूप में क्यों नहीं लेते। तेल के दाम बढ़ाए ही इसलिए गए हैं ताकि हम फिर से साइकिल पर लौट सकें। कुछ लोग धरती पर जन्म सिर्फ विरोध करने के लिए ही लेते हैं। विरोध क्यों कर रहे हैं? किसलिए कर रहे हैं? इससे उन्हें खास मतलब नहीं रहता। उन्हें विरोध करना है तो करना है। आप यह न समझिएगा कि वे विरोधी स्वभाव के होते हैं। दरअसल, ऐसा उनके साथ कुछ नहीं होता। विरोध तो वे इसलिए करते हैं ताकि अपने 'मन की भड़ास' निकाल सकें। दरअसल, मन की भड़ास ही उनका विरोध होती है। इन दिनों उनका विरोध तेल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ भड़का है। कोई दिन ऐसा नहीं जाता जब वे तेल की आड़ में सरकार को न कोसें। कोसने वालों में विपक्ष के लोगों की भूमिका बड़ी है। वे बतलाना चाहते हैं कि सरकार की बेरुखी और तेल की ऊंची कीमतों से एक अकेली जनता ही नहीं बल्कि वे भी उतना ही त्रस्त हैं। वे कितना त्रस्त हैं। उनके कड़ी धूप से लस्त–पस्त चेहरे, बहुत अच्छे से बताला देते हैं। ज्यादातर विरोध करने वालों में वो क्लास आगे रहती है, जिसके घर में हर किसी की अपनी अलग गाड़ी होती है। तेल के दाम चाहे 100 रुपये पार ही क्यों न निकल जाएं, उन पर खास असर नहीं पड़ता। लेकिन विरोध तो उन्हें करना है। कुछ विरोध अक्सर इसलिए भी जताए जाते हैं ताकि समाज के बीच विरोध की प्रासंगिकता कायम रह सके। बाकी विरोध में कितने प्रतिशत 'विरोध' होता है, कितने प्रतिशत 'विट'य यह हम बहुत अच्छे से जानते–समझते हैं। गजब तो ये है कि तेल इतना महंगा होने के बाद भी न सड़कों पर न घरों में गाड़ियां कम हुई हैं। जबकि अब गाड़ियों को चलाने के लिए सड़कें कम पड़ने लगी हैं। फ्लाई–ओवर बनाए जा रहे हैं। मगर हमारे गाड़ियों के प्रति मोह में कहीं कोई कमी नहीं आई है। फिर भी रोना जारी है कि सरकार तेल की कीमतों पर लगाम क्यों नहीं लगाती! या तो हम बहुत नादान हैं या फिर निरे मूर्ख। तेल में आई महंगाई को हम पॉजिटिव रूप में क्यों नहीं लेते। तेल के दाम बढ़ाए ही इसलिए गए हैं ताकि हम फिर से साइकिल पर लौट सकें। पैदल चलने को आदत में ला सकें। अपने ऊपर से तेल के खर्च का अतिरिक्त बोझ कम कर सकें। मोटर–स्कूटर न चलाकर वातावरण में प्रदूषण न फैला सकें। पर लोग हैं कि समझने को तैयार ही नहीं। विरोध ा करने पर उतारू हैं। जबकि यह बात वे भी अच्छे से जानते हैं कि विरोध करने से होना–हवाना कुछ नहीं। खामख्वाह एक्स्ट्रा एनर्जी ही खर्च होनी है।

उजाले अपनी यादों के हमारे पास रहने दो..

बशीर बद्र की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता है। बशीर ने जहां महानगरीय सभ्यता की विद्रूपता पर गहरी मार की है, वहां उसने कस्बाई संस्कृति की संवेदना का मुखर रूप देने में भी उतनी ही सफलता प्राप्त की है। उसकी कलम एक तरफ सावधान करती है कि कोई हाथ भी न मिलाएगा जो गले मिलोगे तपाक सेध्ये नए मिजाज का शहर है जरा फासले से मिला करो। वहीं इस बात पर संतोष भी व्यक्त करती है...

अनूठी शैली व मौलिक प्रस्तुति के साथ बशीर बद्र ने सामयिक मुद्दों को भी बेहद नजाकत के साथ उठाया। बशीर ने गजल को सामंती महिफलों से उठाकर सामान्य अदबी इंसानों के जहनों में भी बैठाया है। हमारे इस कालखंड में जिन बड़े शायरों के कलाम एवं गजलें, मुहावरों की तरह आम आदमी व 'इलीट–क्लास' की जुबान पर अक्सर सवार रहते हैं, उनमें बशीर बद्र का नाम पहली पंक्ति में बना रहेगा। वह एक करीबी दोस्त थे, इसलिए निजी सरमाया भी थे, मगर इसके इलावा इनसे अदबी रिश्ता भी है। कालजयी शायरी क्या होती है, इसकी कोई मिसाल देखनी हो तो बशीर की शायरी से गुजर कर देखिए। हर कदम पर उनके 'शेअर' आपका रास्ता रोक लेंगे और मजबूर कर देंगे कि 'वाह? क्या बात है' कहे बिना आगे नहीं जाएंगे। बशीर की सबसे बड़ी खूबी यह रही है कि अपनी अनूठी शैली, बानगी व मौलिक प्रस्तुति के साथ उसने सामयिक मुद्दों को भी बेहद नजाकत के साथ उठाया है।

नगरीय एवं कस्बई हिंसा पर उनका यह तंज अब भी जिक्र में बना हुआ हैकृ 'लोग टूट जाते हैं, एक घर बनाने मेंध्तुम रहम नहीं खाते, बस्तियां जलाने में।' 'जिंदगी की शाम' वाला उनका शे'र विदायगी के हर मौके पर गूंजता हैकृ'उजाले अपनी यादों केध्हमारे पास रहने दोध्न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए।' जिन दो शायरों का प्रयोग कमोबेश हर राजनीतिज्ञ ने भी किया है, उनमें दुष्यंत के इलावा

दूसरा नाम बशीर बद्र का है। 91 की उम्र में वह चले गए। सुना था 'डिमेंशिया' सरीखी बीमारियों से पीडिघ्त लोग लम्बी उम्र तक बने रहते हैं। इन दिनों वह 'हल्का–हल्का' बहाल भी होने लगे थे, मगर उस तरह चलने की मशक्कत करने ही लगे थे कि बीच सफर में ही लौट गए। इस बार का लौटना अंतिम था और आज वे शारीरिक तौर पर हमारे बीच नहीं हैं। उर्दू का महान शायर बशीर बद्र इन दिनों अस्वस्थ चल रहा है। मेरे जेहन में वे पुराने दिन उदास बदलों की तरह जिघ्दगी की उमस से जूझने लगते हैं, जब एक प्यारे अजीज दोस्त के रूप में वह पुश्तैनी शहर अबोहर आए थे। हम दो दिन उस शहर में एक नहर के किनारे घूमते रहे थे। मैं, मेरे दोस्त एवं उर्दू अदीब मोहनलाल, वहां के बोहिमियन्ज क्लब के सूत्रधाार प्रो. सत्य प्रकाश, युवा पत्रकार साथी राजसदोष और साथ में बशीर बद्र। हम लोगों ने तय किया कि बशीर के कलाम से हिंदी में उर्दू शायरी को जज़्ब करने वाली नई पीढ़ी को रूबरू कराया जाए। मोहन लाल उर्दू व पंजाबी के कहानीकार एवं उपन्यासकार थे। उनके मशविरे व पहलकदमी से शब्दलोक प्रकाशन का 'बैनर' बुना गया जिसके तले उर्दू शायरी के दो 'मजमूओं' (संकलनों) के हिंदी में प्रकाशन की योजना बनी थी। बशीर बद्र ने अपने मजमूए का नाम 'तुम्हारे लिए' तय किया, जबकि दूसरे शायर प्रो. आजाद गुलाटी ने 'नई गजलें' की पांडुलिपि सौंप दी। ये किस्सा करीब 45 बरस पुराना है। तब 1100 प्रतियां छापना जोखिम भरा प्रयास था। मगर सभी प्रतियां 6 माह में खप गईं। खरीददार कमोबेश सभी युवा चेहरे थे। उन्हीं दिनों पत्रकार व अदीब निरुपमा दत्त ने इंडियन एक्सप्रेस में इस कृति पर एक समीक्षात्मक लेख लिखा था, 'जैसे ही आधुनिक उर्दू गजल की बात चलती है तो एकदम जेहन में बशीर बद्र का ख्याल आता है। बशीर बद्र एक ऐसे शायर हैं जिन्होंने गजल की नफासत और नजाकत को समझते हुए नए–नए प्रयोग किए हैं। वे इस विधा को बदलते हुए युग के साथ जोड़ने में बखूबी सफल रहे हैं। अपनी लचीली आवाज में जब वह मंच पर 'शे'र' पेश करते हैं तो हर बार मुशायरा लूट ले जाते हैं। मुझे याद है अम्बाला व गुरुग्राम के वे मुशायरे जिनमें ज्यादातर शायर यही आग्रह करते थे कि उन्हें बशीर से पहले पढ़ा दिया जाए क्योंकि एक बार बशीर शुरू हुए तो फिर श्रोता उन्हीं के नाम को आगे बढ़ाते रहने की जिघ्द करेंगे। इसी वर्ष 17 फरवरी को मध यप्रदेश के राज्यपाल लाल जी टंडन जो कि बशीर साहब के प्रशंसक भी रहे थे, उनके 85वें जन्म दिन पर उनके आवास पर गए और उन्हें एक भव्य गुलदस्ता व शॉल आदि उपहार सौंपे। बशीर साहब की बेगम राहत बद्र ने अर्द्धचेतनावस्था में बिस्तर में ही बशीर साहब को लखनऊ से लाल जी टंडन के मुबारिकबाद देने को आने की बात बताई। बशीर बद्र किसी खेमे का नाम नहीं! बशीर बद्र किसी एक वैचारिक प्रतिबद्धता का नाम नहीं! बशीर बद्र गालिब–मीर का, मोमिन का लकीरी वारिस नहीं– लेकिन इन सब बातों के बावजूद उसके प्रशंसक, उन्माद की हद तक उसके ही हैं।

ग्रेट निकोबार परियोजना से बढ़ी चीन की बेचैनी

टैंकर ट्रैकर 'वोरटेक्सा' के आंकड़ों के अनुसार, 'यह संकरा और भीड़भाड़ वाला जलमार्ग पेइचिंग के लिए रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण रहा है, क्योंकि चीन के समुद्री रास्ते से होने वाले कच्चे तेल के आयात का लगभग 75 फीसद हिस्सा इसी रास्ते से मध य पूर्व और अफ्रीका से होकर गुजरता है।' होनोलुलु स्थित ईस्ट–वेस्ट सेंटर की एडजंक्ट फेलो, निलंथी समरनायके ने ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को ...

ग्रेट निकोबार द्वीप, मलक्का जलडमरूमध य के पश्चिमी प्रवेश द्वार से लगभग 150 किलोमीटर उत्तर–पश्चिम में स्थित है। इस भौगोलिक निकटता के कारण, निकोबार द्वीपसमूह हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच होने वाले वैश्विक व्यापार के लिए एक अत्यंत रणनीतिक समुद्री चौकी बन जाता है। पेइचिंग के हाईतियन जिले में रनमिन यूनिवर्सिटी शोध के लिए प्रसिद्ध है। यहां चीनी विदेश रणनीति अध्ययन केंद्र के निदेशक जिन कैनरोंग ने अपने निजी वी–चौट अकाउंट पर प्रकाशित एक हालिया टिप्पणी में तर्क दिया, कि चीन की लंबे समय से चली आ रही 'मलाक्का दुविधा' अब और भी गंभीर होती जा रही है। चीन को डर है, कि मलाक्का जलडमरूमध्य पर उसकी भारी निर्भरता उसकी रणनीतिक कमजोरी बन सकती है। न्यूज एजेंसी रायटर्स ने अप्रैल में रिपोर्ट दी थी कि चीन के कच्चे तेल के आयात का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा मलाक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जबकि यह जलडमरूमध्य वैश्विक व्यापार का लगभग 22 फीसद और समुद्री तेल का 29 प्रतिशत हिस्सा संभालता है। जिन कैनरोंग ने लिखा कि पहले चीन की चिंताएं मुख्य रूप से अमेरिका पर केंद्रित थीं, जिसकी वैश्विक नौसैनिक पहुंच में हिंद महासागर में दिएगो गार्सिया और सिंगापुर में चांगी नौसैनिक अड्डे जैसे ठिकाने शामिल हैं। उन्होंने कहा, लेकिन अब, भारत की भूमिका बढ़ रही है। यदि भारत ग्रेट निकोबार पर

अपनी उपस्थिति मजबूत करता है, तो इससे भारत को चीन की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एक संकरे समुद्री मार्ग (चोकप्वाइंट) पर अधिक प्रभाव डालने की शक्ति मिल सकती है। भारत सरकार द्वारा ग्रेट निकोबार द्वीप पर लगभग 10 अरब डॉलर यानी लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की लागत से 'ग्रेट निकोबार विकास परियोजना' पर काम किया जा रहा है। इस रणनीतिक पहल का मुख्य उद्देश्य भारत के सबसे दक्षिणी छोर को एक विशाल वाणिज्यिक और सैन्य केंद्र में बदलना है। इस महात्वाकांक्षी परियोजना का लक्ष्य गलाथिया खाड़ी में एक बड़ा ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह (पोर्ट), अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक नई टाउनशिप और 450 मेगावाट का गैस और सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल है। रणनीतिक रूप से मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित यह केंद्र हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियों (जैसे 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स') का मुकाबला करने में भारत की नौसैनिक क्षमता को बढ़ावा देगा।

इस पोर्ट के जरिए भारत अपने ट्रांस–शिपमेंट कार्गो के लिए सिंगापुर और कोलंबो जैसे विदेशी बंदरगाहों पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा। पूर्ण क्षमता पर, इस बंदरगाह से सालाना 1.6 करोड़ ट्वेंटी–फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स (टीईयूएस) का संचालन होने का अनुमान है। भारत सरकार द्वारा 2021 में शुरू की गई यह योजना तेजी से विकास की ओर बढ़ रही है। सबसे बड़ी दिक्कत वर्षा वनों के बड़े पैमाने पर कटने की आशंका को लेकर पर्यावरणविदों और मानवाधिकार समूहों की चिंता है। प्रोफेसर जिन कैनरोंग ने चीन को तीन सुझाव दिए हैंकृपहला, चीन को एक अधिक शक्तिशाली 'ब्लू–वॉटर नेवी' (गहरे समुद्र में काम करने वाली नौसेना) बनानी चाहिए। चीन को अपने विमानवाहक पोत बेड़े के विकास में तेजी लानी चाहिए, और चीन के सबसे नए तथा सबसे उन्नत विमानवाहक पोत 'फुचियान' को जल्द से जल्द युद्ध के लिए तैयार करना चाहिए।

दूसरा, चीन को उन मार्गों पर काम में तेजी लानी चाहिए जो मलाक्का को बाईपास करते हैं। जिन ने म्यांमार के पश्चिमी तट पर स्थित चीन–समर्थित गहरे समुद्र के बंदरगाह 'क्याउकप्यू', प्रस्तावित चीन–म्यांमार रेलवे, और म्यांमार से चीन के दक्षिण–पश्चिमी युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग तक जाने वाली तेल और गैस पाइपलाइनों की ओर इशारा किया। उन्होंने थाईलैंड के प्रस्तावित 'क्रा लैंड ब्रिज' का भी जिक्र कियाकृजो सड़क और रेल मार्ग के जरिए थाईलैंड की खाड़ी और अंडमान सागर को जोड़ने की एक योजना हैकृऔर इसे इस जलडमरूमध्य पर चीन की निर्भरता कम करने का एक और तरीका बताया।

तीसरा, चीन को ताइवान मुद्दे का समाधान करना चाहिए। जिन ने तर्क दिया कि यदि पेइचिंग, ताइवान के प्रश्न को सुलझा लेता है, तो उसे पूर्वी चीन सागर और दक्षिण चीन सागर में अपनी गतिविधियों के लिए अधिक गुंजाइश मिल जाएगी। वहां से, चीन मलक्का के पास अपने हितों की रक्षा करने की बेहतर स्थिति में होगा। भले ही चीन और भारत सीमा पर वर्षों के तनाव के बाद अपने संबंधों को सावधानीपूर्वक स्थिर करते दिख रहे हैं, जिनकी टिप्पणी से पता चलता है, कि रणनीतिक अविश्वास अब भी कितना गहरा है। ग्रेट निकोबार परियोजना से यह भी पता चलता है कि भारत को लेकर चीन की चिंताएं अब केवल जमीनी सीमा तक ही सीमित नहीं हैं। भारत को अब तेजी से एक समुद्री प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जा रहा है, जो हिंद महासागर और दक्षिण–पूर्व एशियाई समुद्री मार्गों तक चीन की पहुंच को प्रभावित कर सकता है, और भारत संभवतः पेइचिंग की सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक जीवन–रेखाओं में से एक के पास अपना प्रभाव बढ़ा सकता है। ग्रेट निकोबार द्वीप, मलक्का जलडमरूमध्य के पश्चिमी प्रवेश द्वार से लगभग 150 किलोमीटर (90 नॉटिकल माइल) उत्तर–पश्चिम में स्थित है। इस भौगोलिक निकटता के कारण, निकोबार द्वीपसमूह हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच होने वाले वैश्विक व्यापार के लिए एक अत्यंत रणनीतिक समुद्री चौकी बन जाता है। अंडमान सागर के रास्ते मलक्का जलडमरूमध्य में प्रवेश करने या उससे बाहर निकलने के लिए जहाजों को 'सिक्स डिग्री चौनल' से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे वैश्विक शिपिंग मार्ग सीधे भारतीय क्षेत्र के निकट आ जाते हैं।

आईपीएल एलिमिनेटर में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी का धमाका, एबी डी विलियर्स भी हुए मुरीद

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डी विलियर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ एलिमिनेटर मैच में वैभव सूर्यवंशी की शानदार पारी की जमकर तारीफ की है और 15 साल की उम्र में उनके संयम और खेल की समझ को असाधारण बताया है। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने एलिमिनेटर मैच में एसआरएच को 47 रनों से हराकर दूसरे क्वालीफायर के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जहां उनका मुकाबला गुजरात टाइटन्स से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के फाइनल में जगह बनाने के लिए होगा। फाइनल में मौजूदा चौंपियन रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) उनका इंतजार कर रही है।

जियोहॉटस्टार पर बोलते हुए, डी विलियर्स ने एसआरएच के कप्तान पैट कमिंस और उनकी गेंदबाजी यूनिट द्वारा लगातार किए जा रहे रणनीतिक बदलावों के बावजूद दबाव में शांत रहने की सूर्यवंशी की क्षमता की सराहना की। जियोस्टार के विशेषज्ञ डी विलियर्स ने कहा कि महज 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी की पारी की सबसे खास बात दबाव में भी उनका संयम और स्पष्टता थी। पैट कमिंस और सनराइजर्स हैदराबाद लगातार अलग–अलग रणनीति अपनाते रहे, फील्डिंग बदलते रहे और उनकी लय बिगाड़ने के लिए गेंदबाजी की लेंथ में बदलाव करते रहे, लेकिन वे पूरी पारी के दौरान अपने खेल पर पूरी तरह से केंद्रित रहे।

15 वर्षीय सूर्यवंशी ने मात्र 29 गेंदों में 12 छक्कों और पांच चौकों की मदद से 97 रन बनाए, जिसकी बदौलत उनकी टीम ने नॉकआउट मुकाबले में 243६8 का स्कोर खड़ा किया। इस सीजन में सूर्यवंशी ने 15 पारियों में 45.33 के औसत और 242.85 के स्ट्राइक रेट से 680 रन बनाए हैं, जिनमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 103 है। उन्होंने 280 गेंदों का सामना करते हुए 55 चौके और 65 छक्के जड़े हैं। उन्होंने युवा खिलाड़ी की जागरूकता और उच्च दबाव वाले नॉकआउट मैच में विभिन्न गेंदबाजी रणनीतियों का सामना करने की क्षमता की भी प्रशंसा की। उन्होंने आगे कहा कि नॉकआउट मैच में इतनी कम उम्र के खिलाड़ी के लिए खेल की ऐसी समझ वाकई सराहनीय है। चाहे गेंदबाजों ने शॉर्ट गेंदें फेंकी हों या फुल लेंथ गेंदों से उन्हें चौंकाने की कोशिश की हो, वे हर रणनीति के लिए तैयार दिखे और सभी पर उनका पूरा नियंत्रण था। डी विलियर्स ने पारी की विस्फोटक प्रकृति पर भी प्रकाश डाला और मैदान पर बल्लेबाज के दबदबे का जिक्र किया।

आईपीएल में अब स्मार्ट चश्मों भी नहीं! सुरक्षा के लिए बीसीसीआई ने लिया बड़ा फैसला

भारतीय क्रिकेट बोर्ड भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीएसयू) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों द्वारा स्मार्ट चश्मों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। बोर्ड ने इन चश्मों में मौजूद उन्नत संचार सुविधाओं को सुरक्षा और भ्रष्टाचार–रोधी नियमों के लिए खतरा बताया है। बीसीसीआई एसीएसयू ने सभी फ्रेंचाइजी को जारी एक परामर्श में कहा कि कुछ कंपनियां खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को स्मार्ट चश्मे बेच रही हैं।

बीसीसीआई ने कहा, "इन उपकरणों में लाइव स्ट्रीमिंग, टेक्स्ट संदेश भेजने और प्राप्त करने के साथ–साथ मोबाइल डेटा या वाई–फाई के जरिए ऑडियो और वीडियो कॉलिंग जैसी उन्नत संचार सुविधाएं उपलब्ध हैं।" उन्होंने कहा, "पीएमओए (खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों का क्षेत्र) के न्यूनतम मानकों के तहत ऐसे स्मार्ट चश्मों को 'ऑडियो/वीडियो रिकॉर्डिंग उपकरण' और 'संचार उपकरण' दोनों श्रेणियों में रखा गया है। इसी कारण पीएमओए क्षेत्र में इन्हें रखने या इस्तेमाल करने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।" आईपीएल में पहले से ही खिलाड़ियों को निर्धारित पीएमओए क्षेत्रों में मोबाइल या अन्य संचार उपकरणों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं है। हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के अधिकारी रोमी भिंडर को टीम डगआउट में मोबाइल फोन इस्तेमाल करते हुए कैमरे में पकड़े जाने पर एक लाख रुपये का जुर्माना और चेतावनी दी गई थी। बीसीसीआई ने अपने नवीनतम निर्देश में खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों से कहा है कि वे पीएमओए में प्रवेश करने से पहले स्मार्ट चश्मे भी जमा कराएं। बोर्ड ने नियमों का पालन नहीं करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। बीसीसीआई ने कहा, "सभी खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को निर्देश दिया जाता है कि मैच के दिन पीएमओए में प्रवेश करते समय वे अपने मोबाइल फोन और स्मार्टवॉच के साथ ऐसे उपकरण भी सिक्योरिटी लायजन ऑफिसर (एसएलओ) के पास जमा करें।"

बोर्ड ने कहा, "कोई खिलाड़ी या स्टाफ सदस्य अगर ऐसे उपकरण जमा नहीं करता है, तो इसे पीएमओए प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना जाएगा और आईपीएल 2026 के न्यूनतम मानकों के तहत उस पर जुर्माना या अन्य दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।" आईपीएल के इस सत्र में आचार संहिता उल्लंघन की कई घटनाएं सामने आने के बाद बीसीसीआई पहले ही सख्त दिशा–निर्देश जारी कर चुका है। इसके तहत खिलाड़ियों के बिना अनुमति देर रात बाहर जाने पर रोक लगा दी गई है। सुरक्षा कारणों और 'हनी ट्रैप' जैसी आशंकाओं को देखते हुए बोर्ड ने खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के होटल कमरों में मेहमानों के प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।

विनेश फोगाट को एससी से बड़ी राहत, एशियाई खेलों के ट्रायल्स में भाग लेने की मिली हरी झंडी

सुप्रीम कोर्ट ने पहलवान विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दे दी है और दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है जिसमें उन्हें राहत दी गई थी। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) द्वारा दायर याचिका पर, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से मना कर दिया। इससे फोगाट के लिए 30 मई से दिल्ली में शुरू होने वाले एशियाई खेलों के ट्रायल्स में भाग लेने का रास्ता साफ हो गया है।

डब्ल्यूएफआई की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फोगाट को नोटिस जारी कर कहा कि वह बाद में मामलों का विश्लेषण करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम हस्तक्षेप नहीं कर रहे हैंय आप जा सकती हैं और भाग ले सकती हैं। इसमें आगे कहा गया कि विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के लिए निर्धारित चयन ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। पीठ ने डब्ल्यूएफआई की ओर से पेश वकील से कहा कि आज, इस स्तर पर, हाई कोर्ट द्वारा आदेश पारित किए जाने के बाद, उम्मीदें और अपेक्षाएं बढ़ गई हैं। उन्हें घर वापस जाने के लिए कहना और यह कहना कि हम कुछ नहीं कर सकते, उचित नहीं होगा। हम आपको यह बात स्पष्ट रूप से कह रहे हैं।

इस बीच, सर्वोच्च न्यायालय ने ओलंपियन को राहत देते समय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण पर आपत्ति जताई। इसके बावजूद, सुप्रीम कोर्ट ने पहलवान को ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी और उसमें हस्तक्षेप न करने का निर्णय लिया। सुनवाई की शुरुआत में, न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने वरिष्ठ अधिवक्ता माधवी दीवान से कहा कि हमारे कुछ प्रश्न हैं। न्यायमूर्ति ने गौर किया कि फोगाट ने दिसंबर 2024 में खेल से विराम लिया था और कहा था कि वह अगस्त 2025 में वापसी करेंगी।

हालांकि, उन्होंने डब्ल्यूएफआई को सूचित किया कि जुलाई 2025 में मां बनने के बाद वह जनवरी 2026 से पात्र होंगी। इसके बावजूद, न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने कहा कि फोगाट ने जनवरी में डोपिंग परीक्षण नहीं कराया और विधायक बनने का उनका स्पष्टीकरण अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) द्वारा स्वीकार नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि आईटीए टेस्ट छूट जाना चिंताजनक है, क्योंकि इसके गंभीर परिणाम होते हैं। भारतीय खेल विश्व खेलों से अभिन्न रूप से जुड़े हुए हैं। अगर वैश्विक स्तर पर किसी तरह की अयोग्यता सामने आती है, तो इसका असर भारत पर पड़ता है। आपने डोपिंग टेस्ट के लिए अपनी उपस्थिति की जानकारी नहीं दी और पहला डोपिंग टेस्ट छोड़ दिया।

पीवी सिंधु का सिंगापुर ओपन सफर थमा, विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी एन से यंग ने क्वार्टरफाइनल में हराया

अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का सिंगापुर ओपन सुपर 750 में सफर क्वार्टरफाइनल में विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी एन से यंग के खिलाफ कड़े मुकाबले में हार के साथ समाप्त हो गया। हालांकि स्कोर 17–21, 14–21 रहा और मैच 48 मिनट में खत्म हुआ, लेकिन यह देखने में जितना लग रहा था उससे कहीं ज्यादा प्रतिस्पर्धी था। इस मैच में सिंधु की आक्रामक खेल शैली और महिला बैडमिंटन के शीर्ष स्तर पर बढ़ती प्रतिस्पर्धा दोनों ही स्पष्ट रूप से दिखाई दीं।

सिंधु ने आक्रामक शुरुआत की और अपने शक्तिशाली ओवरहेड शॉट्स और तेज स्मैश से एन से यंग को शुरुआत में ही परेशान कर दिया। उन्होंने 22 और 31 शॉट्स की दो लंबी रैलियां भी सटीक विनर्स के साथ जीतीं, जिससे शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी, जो अपनी असाधारण रक्षात्मक शैली और गति के लिए जानी जाती हैं, कुछ समय के लिए विचलित हो गईं। एक समय सिंधु ने स्कोर 7–7 से बराबर कर दिया और बाद में पहले गेम में कोरियाई खिलाड़ी को कड़ी टक्कर देते हुए अंतर को 14–13 तक कम कर दिया।

हालांकि, नेट पर और फ्रंट कोर्ट में बार–बार हुई गलतियों ने सिंधु की लय को तोड़ दिया।

राशन कोटेदार पर घटतौली, मनमानी का आरोपः जांच के साथ कार्यवाही की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के गोबरहिया निवासी उमेश शुक्ल ने मुख्यमंत्रीके पोर्टल आजीआरएस पर शिकायती पत्र देकर और प्रसिद्ध कुमार पुत्र चन्द्रभूषण ने जिलाधिकारी को पत्र देकर ग्राम पंचायत लोहरौली के कोटेदार राज नरायन पर राशन वितरण में घटतौली, मनमानी का आरोप लगाते हुये जांच और प्रभावी कार्यवाही की मांग किया है। डीएम को दिये पत्र में प्रसिद्ध कुमार ने कहा है कि राशन कोटेदार राज नरायन ने उसे और ग्रामसभा के समस्त राशन कार्ड धारको को 2 किलो राशन कम देने के साथ ही घटतौली किया। घटतौली से मिले बचे राशन को खुले बाजार में बेंच दिया जाता है। कारण पूछने पर अभद्र व अशोभनीय शब्दो को प्रयोग कर मार–पीट पर आमादा हो जाते है । कोटेदार मनबढ़ व दबंग प्रवृति के व्यक्ति है जिस कारण लोग उनसे डरते है। उन्होने पूरे मामले की जांच कराकर कोटेदार के विरूद्ध कार्रवाई निर्धारित मात्रा में राशन उपलब्ध कराने की मांग किया है।

जमीनी रंजिश में भाभी पर अपहरण, हत्या कराने की साजिश का आरोपः न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

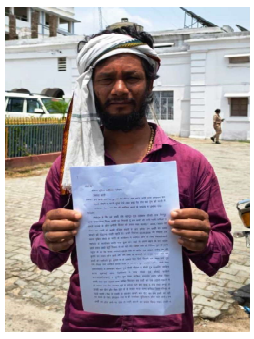

बस्ती। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के पैगापुर निवासी बंश बहादुर पुत्र अहंकार चौधरी ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर जमीनी विवाद में विपक्षी राम नवल आदि द्वारा अपहरण कर भारने पीटने व गाली गुप्ता देने तथा हाथ पैर बाध कर ट्रेन की पटरी में लपेटकर हत्या कर देने की साजिश करने का आरोप लगाया है। बंश बहादुर ने दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर अपने और परिवार के जान माल की रक्षा का गुहार लगाय है। एसपी को दिये पत्र में बंश बहादुर ने कहा है कि उसकी सगी भागी उर्मिला व उनके मायके के लोग जमीनी विवाद को लेकर रंजिश रखती है और हमेशा उसे मरवा डालने की षड्यन्त्र रचती रहती है। गत 25 मई को वह पिछड़ा वर्ग भारत मुक्ति मोर्चा के पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अपने बहन के घर गया। वहां से वापस आते समय रिठिया पुल के पास एक अज्ञात सफेद रंग की बुलेरो पर सवार लोग आये और कनपटी पर कट्टा सटा कर उसे घसीटते हुए बुलेरो में ले जाकर बैठा दिया। उसमे राम नवल वर्मा पुत्र राम सेवक वर्मा साकिन इटवा राजा व परमात्मा पुत्र अज्ञात साकिन भीटी मिश्र (हसीनाबाद) व हरिशंकर चौहान पुत्र भीखी चौहान व भीखी पुत्र उजागिर ग्राम इटवा कुनगाई थाना पैकोलिया व चन्द्र शेखर पुत्र डोलई साकिन अगरवा (हसीनाबाद) व सुजीत पुत्र बेचन साकिन बांसगांव थाना हरैया जिला बस्ती तथा एक अज्ञात अन्य व्यक्ति मिलकर एक अज्ञात मकान मे ले जाकर हाथ पैर बाधकर मुंह मे कपडा ठूस कर चाकू व राड तथा डण्डा से काफी मारे पीटे और उसके बाद थाना छपिया जिला गोण्डा के रेलवे पटरी ट्रैक में रस्सी से बाधकर वही पर मरने के लिए छोड दिया। होश आने पर उसने दांत से रस्सी काटने का प्रयास किया । उसने पुलिस को 112 नम्बर पर फोन किया तो उसकी जान बची। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छपिया मेंभर्ती कराया गया। हालत बिगडने पर उसे मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। इलाज के बाद वह अपने बहन के घर वापस आया। उसकी भाभी फिर उसे जान से मरवा देने की धमकी दे रही है। बंश बहादुर ने इस सम्बन्ध में गत 27 मई को सूचना दिया पुलिस ने मुकदमा तक दर्ज नहीं किया। बंश बहादुर ने दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजी.त कराकर अपने जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

दलित बेटियों पर जुर्म, अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेगी कांग्रेस– कमल किशोर कमाण्डो

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर पत्रकारों से वार्ता करते हुये पूर्व सांसद कमल किशोर कमाण्डों ने कहा कि भाजपा की सरकार में बेटियां सुरक्षित नहीं है। दलित बेटियों के साथ दुराचार, हत्या मामलों में सरकार और प्रशासन कोई सुनवाई नहीं कर रहा है। कांग्रेस इन सवालों को लेकर निरन्तर संघर्ष कर रही है। पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये पूर्व सांसद कमल किशोर ने कहा कि महोबा की एक दलित छात्रा का अपहरण कर 16 दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया, उसके साथ न सिर्फ दुष्कर्म किया गया बल्कि नरभक्षीय व्यवहार किया गया। सरकार का कोई नुमाइंदा पीड़िता के घर नहीं पहुँचा, जब उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय पीड़िता का दुख साझा करने उसके घर जा रहे थे तो उन्हें रोकने की हर संभव कोशिश की गई मगर वह पीड़िता के घर पहुँचे। पूर्व सांसद कमल किशोर कमाण्डों ने कहा कि पीड़ित परिवार के परिजनों को 50 लाख रूपये की आर्थिक सहायता देने के साथ ही परिवार के एक सदस्य को नौकरी दिया जाय। कहा कि यह संवेदनहीन सरकार जो खुद तो पीड़िता का दुख साझा करने की संवेदना नहीं रखता वह अजय राय के जाने से इतना व्याकुल हो गया कि पूरे प्रदेश में सरकार की सह पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उनके इस मानवीय और मार्मिक कार्य के विरोध अजय राय जी खिलाफ धरना प्रदर्शन शुरू हो गए। कार्यकर्ता तो कार्यकर्ता सरकार के मंत्री और विधायक भी आगे आकर प्रदेश अध्यक्ष का विरोध करने लगे। बौखलाई सरकार के नुमांइदों ने अजय राय के खिलाफ उनकी संपत्ति की जांच की मांग की है। बड़ा हास्ययास्पद है कि आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी यह सरकार और उनके मंत्री और विधायक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की संपत्ति की जांच की मांग कर रहें हैं जबकि उनका सारा सार्वजनिक जीवन खुली किताब की तरह है। अभी दो दिनों पूर्व ही आगरा नगर निगम ने प्राइवेट बिजली कंपनी टोरेंट का 430 करोड़ रूपये माफ किए हैं, इसके पहले हजारों करोड़ रूपये पूंजीपतियों के माफ कर उनसे भाजपा ने वसूली की है। कांग्रेस यह सिद्ध कर चुकी है काम लो चंदा दो की नीति भाजपा सरकार बना चुकी है तथा ईडी, आयकर के छापों से वसूली की नीति भी भाजपा की बनाई हुई है इससे बड़ा भ्रष्टाचार का उदाहरण भला और क्या हो सकता है? जनता इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष बृजेश आर्य ने कहा कि लालगंज थाना क्षेत्र के सिद्धनाथ गांव में दलित बालिका सृष्टि उर्फ परी के साथ दुराचार, हत्या मामले में एक वर्ष बीत जाने के बावजूद पुलिस द्वारा मामले का खुलासा न किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस दलितों पर हो रहे अत्याचार के सवालों को लेकर आन्दोलन तेज करेगी। प्रेस वार्ता के दौरान मुख्य रूप से शौकत अली नन्हू, अलीम, जयन्त चौधरी, संदीप श्रीवास्तव, मुकेश कुमार, राहुल चौधरी, पिन्टू मिश्र, नफीस अहमद, आलोक पाण्डेय, अभिषेक राय गांधी, अनुराग पाण्डेय के साथ कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

नेपाल मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट से सियासी हलचल तेज

दैनिक बुद्ध का संदेश

नेपाल। नेपाल राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की जांच रिपोर्ट ने देश की राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ी हलचल पैदा कर दी है। आयोग ने पिछले वर्ष 23 भदौ को हुए जेन.जी आंदोलन के दौरान मानवाधिकार उल्लंघन और 24 भदौ को संगठित आपराधिक गतिविधियों की पुष्टि करते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, संचारमंत्री और सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों सहित कई लोगों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की है। आयोग ने 23 भदौ की घटना के तुरंत बाद सदस्य लिली थापा के नेतृत्व में छह सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। समिति की रिपोर्ट सौंपे जाने के लगभग दो महीने बाद आयोग ने बुधवार को अपनी सिफारिशों का सार्वजनिक खुलासा किया और रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय को भेज दी। रिपोर्ट में तत्कालीन प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली, तत्कालीन गृहमंत्री रमेश लेखक और संचारमंत्री पृथ्वीसुब्बा गुरुङ को मानवाधिकार उल्लंघन का दोषी मानते हुए संविधान की धारा 249(2)(ग) के तहत उनके खिलाफ अदालत में मुकदमा चलाने की सिफारिश की गई है।

आयोग ने कहा कि सोशल मीडिया प्रतिबंध और सुरक्षा प्रबंधन में विफलता के कारण हालात बिगड़े और हिंसा फैली। आयोग ने 24 भदौ की घटनाओं को स्वतःस्फूर्त विरोध नहीं बल्कि पूर्व नियोजित आपराधिक गतिविधि बताया है। रिपोर्ट में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) के 17 सांसदों सहित कुल 52 लोगों के नाम लेकर आगे जांच की सिफारिश की गई है। आयोग ने 'टीओबी' सहित दो समूहों की भूमिका की भी जांच और कार्रवाई की अनुशंसा की है। आयोग के अनुसार 'टीओबी' के उकसावे से आंदोलन हिंसक हुआ। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों में वर्तमान कानून पर्याप्त नहीं हैं। आयोग ने नया कानून बनाने, विशेष अदालत गठित करने तथा दोषियों को अधिकतम छह महीने की कैद, तीन लाख नेपाली रुपये तक जुर्माना या दोनों सजाएं देने की सिफारिश की है। साथ ही दोषियों को कम से कम छह वर्षों तक चुनाव लड़ने और राजनीतिक नियुक्ति पाने से रोकने की अनुशंसा भी की गई है। आयोग ने नेपाल पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल और राष्ट्रीय अनुसंधान विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ विभागीय और कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की है।

तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक चन्द्रकुबेर खापुङ, सशस्त्र पुलिस प्रमुख राजु अर्याल और राष्ट्रीय अनुसंधान विभाग प्रमुख हुतराज थापा पर भी कार्रवाई की मांग की गई है। रिपोर्ट में नेपाली सेना की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। आयोग ने कहा कि हिंसा और तोड़फोड़ रोकने में सेना अपेक्षित भूमिका निभाने में असफल रही। आयोग ने भविष्य में आंतरिक संघर्ष और हिंसक आंदोलनों से निपटने के लिए स्पष्ट कानूनी व्यवस्था बनाने की सिफारिश की है। आयोग ने रास्वपा अध्यक्ष त्ंइप स्ंउपबीींदम सहित कई नेताओं की भूमिका की भी जांच की अनुशंसा की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नक्खु जेल से उन्हें बाहर निकाले जाने की घटना के बाद जेल व्यवस्था प्रभावित हुई और अन्य कैदी भी बाहर निकल गए। मानवाधिकार आयोग की इस रिपोर्ट को राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि सरकार आयोग की सिफारिशों को गंभीरता से लागू नहीं करती है तो नेपाल की अंतरराष्ट्रीय छवि प्रभावित हो सकती है। आयोग अधिनियम के अनुसार सरकार को तीन महीने के भीतर सिफारिशों के क्रियान्वयन की दिशा में कदम उठाने होंगे।

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर छात्राओं ने चलाया जागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फखरपुर में शुक्रवार को

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर छात्राओं ने महिलाओं और किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में पोस्टर और स्लोगन के माध्यम से साफ–सफाई, स्वास्थ्य और जागरूकता का संदेश दिया गया। इस संबंध में एसकेएस कॉलेज सबलापुर की जीएनएम छात्रा ईशा तिवारी ने बताया कि मासिक धर्म महिलाओं की सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है, इसे लेकर किसी प्रकार की झिझक नहीं होनी चाहिए। वहीं शीतू शुक्ला ने कहा कि मासिक धर्म के दौरान स्वच्छ सैनिटरी पैड का उपयोग और समय–समय पर उसे बदलना बेहद जरूरी है। अंशिका शुक्ला ने किशोरियों को साफ–सफाई अपनाने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।कार्यक्रम में मौजूद लोगों से मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील बनने की अपील की गई। छात्राओं ने "हैप्पी पीरियड्स, हेल्दी यू" का संदेश देते हुए सभी को स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान दिव्या, जूली, साक्षी, नैन्सी, विजेता, अंजली, पूजा, पूनम, रेनू समेत अन्य छात्राएं मौजूद रहीं।

तुलसीपुर तहसील में भूमि विवाद को लेकर बड़ा आरोप, वृद्ध महिला ने लगाई न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। तुलसीपुर तहसील क्षेत्र में भूमि विवाद और कथित फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लगभग 90 वर्षीय एक वृद्ध महिला ने आरोप लगाया है कि उसकी जमीन को कथित रूप से दूसरे व्यक्ति के नाम दर्ज करा लिया गया है। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि वृद्ध महिला दो बहनों में से एक हैं और उनका कोई भाई नहीं था। आरोप है कि एक बहन के निधन के बाद भूमि संबंधी अभिलेखों में बदलाव कर जमीन दूसरे व्यक्ति के नाम दर्ज करा दी गई। वृद्ध महिला का कहना है कि उसे इस संबंध में कोई जानकारी नहीं थी। जानकारी के मुताबिक जब महिला से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसकी जमीन परसपुर क्षेत्र में स्थित है और वर्तमान में उस पर उनका कब्जा नहीं है। तहसील से खतौनी निकलवाने पर कथित रूप से बेचन पुत्र बच्चू का नाम दर्ज पाया गया। इस मामले में स्थानीय अधिवक्ताओं से बातचीत के बाद कई सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि विवादित भूमि पर निर्माण कार्य और खेती भी की जा रही है। वहीं मामले में प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई न होने को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले को लेकर अभी प्रशासन की ओर से आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों पर कार्रवाई हो सकती है।

बलरामपुर में आईआईटी कानपुर की टीम ने परखा 'जल जीवन मिशन'

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। आज दिनांक 29 मई 2026 को बलरामपुर जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में केंद्र व राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'जल जीवन मिशन' का स्थलीय मूल्यांकन करने के लिए आईआईटी कानपुर की उच्च स्तरीय टीम पहुंची। घर–घर नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने वाली यह योजना अब ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनती नजर आ रही है। आईआईटी कानपुर के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग (ै) के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप स्वर्णकर के निर्देशन में चल रहे शोध अभियान के दूसरे दिन शोधार्थियों की विभिन्न टीमों ने विकासखंड सदर बलरामपुर और गैसड़ी क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया। बरईपुर गांव में शोधार्थी प्रेम, विवेक और गोविंद ने घर–घर जाकर पेयजल की उपलब्धता, समय और पानी के दबाव की जांच की। वहीं मनकी गांव में आकाश, जियाउल, संदीप, शुभम और दयानिधि की टीम ने ग्रामीणों और बुजुर्गों के साथ चौपाल लगाकर योजना से आए बदलावों पर चर्चा की। चमरबोझिया गांव में अरविंद, अजय, सुमित और पंकज की टीम ने पानी के नमूनों की गुणवत्ता और शुद्धता की वैज्ञानिक जांच की। मझौवा गांव में शैलेंद्र, प्रियांशू, गोविंद और रवींद्र की टीम ने जलापूर्ति व्यवस्था के तकनीकी संचालन और सामाजिक प्रभावों का विस्तृत ऑडिट किया। ग्रामीणों और ग्राम प्रधानों से बातचीत में सामने आया कि शुद्ध पेयजल मिलने से डायरिया, टाइफाइड और पेट संबंधी बीमारियों में उल्लेखनीय कमी आई है। सबसे बड़ा बदलाव महिलाओं के जीवन में देखने को मिला है। अब उन्हें पानी के लिए दूर–दूर तक भटकना नहीं पड़ता, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है। ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि पहले पानी लाने में घंटों समय लगता था, लेकिन अब घर तक नल से जल पहुंचने के कारण वे परिवार और अन्य आर्थिक गतिविधियों पर अधिक ध्यान दे पा रही हैं। इससे गांवों में सामाजिक और आर्थिक स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देने लगे हैं। आईआईटी कानपुर की टीम जल्द ही अपनी विस्तृत मूल्यांकन रिपोर्ट शासन को सौंपेगी, जिससे योजना को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में आगे कदम उठाए जा सकेंगे।

मुख्य अभियंता ने की कार्रवाई बिजली विभाग में 5 अवर अभियंताओं का स्थानांतरण,हटाए गए शिव प्रसाद मिश्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में बीते दिनों बिजली समस्याओं को देखते हुए देवीपाटन मंडल के मुख्य अभियंता यदुनाथ यथार्थ ने बड़ा फैसला लिया है बेहतर सेवा और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पांच अवर अभियंताओं का तबादला किया गया है। ये सभी अवर अभियंता लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात थे।मंडल कार्यालय से संबद्ध अवर अभियंता जाहिद अली को उपकेंद्र जेल रोड की जिम्मेदारी सौंपी गई है,जिसे एक महत्वपूर्ण उपकेंद्र माना जाता है। वहीं उपकेंद्र अंबेडकर चौराहा पर तैनात अवर अभियंता शिव प्रसाद मिश्रा को बीते दिनों हुए विरोध प्रदर्शन के चलते हटाते हुए स्थानांतरण आर्य नगर उपकेंद्र पर कर दिया गया है।आर्य नगर एक ग्रामीण उपकेंद्र है जहां से बिजली संबंधी शिकायतें लगातार मिल रही थीं। अंबेडकर चौराहा विद्युत उपकेंद्र को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यह अधिकारियों और कर्मचारियों के आवासों को बिजली आपूर्ति करता है।इस उपकेंद्र की नई जिम्मेदारी अब जेल रोड पर तैनात रहे अवर अभियंता कुलदीप यादव को दी गई है। इसके अतिरिक्त, अनिरुद्ध सिंह को चंदवतपुर घाट और विनोद कुमार गौतम को मनकापुर टाउन उपकेंद्र में तैनाती मिली है। बीते दिनों अंबेडकर चौराहे पर बिजली समस्याओं को लेकर उपभोक्ताओं ने रात में घंटों तक गोंडा–लखनऊ हाईवे जाम कर विरोध प्रदर्शन किया था।इस घटना के बाद ही यहां के अवर अभियंता शिव प्रसाद मिश्र को हटाया गया है और कुलदीप यादव अब यहां की व्यवस्था संभालेंगे। बिजली विभाग के मुख्य अभियंता देवीपाटन मंडल यदुनाथ यथार्थ ने बताया कि इन पांच अवर अभियंताओं का तबादला उपभोक्ताओं को बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए किया गया है।उन्होंने यह भी कहा कि अंबेडकर चौराहे पर उपभोक्ताओं द्वारा सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया गया था,जिसमें समय पर बिजली न मिलने का आरोप था। मुख्य अभियंता ने बताया कि इस मामले का संज्ञान लेते हुए शिव प्रसाद मिश्र को अंबेडकर चौराहा से हटाकर आर्य नगर भेजा गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उपभोक्ताओं को समय पर बिजली मिले, यह उनकी प्राथमिकता है और लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। लगातार हमारे सभी अधिकारी, कर्मचारी फील्ड में लगे हुए हैं।

एडीएम की अध्यक्षता में खलीलाबाद–बांसी नई रेल लाइन परियोजना को लेकर समीक्षा सम्पन

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार के निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी (वित्त व राजस्व) सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में खलीलाबाद–बांसी नई रेल लाइन परियोजना में प्रभावित भूमि के प्रतिकर वितरण एवं परियोजना कार्य में आ रही कतिपय समस्याओं के निराकरण हेतु समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। अपर जिलाधिकारी द्वारा परियोजना में कतिपय बाधाओं का त्वरित निदान करने के साथ ही अवशेष गाटाओं/भूमियों का अंश निर्धारण तथा अवशेष प्रतिकर भुगतान से संबंधित भू–स्वामियों से प्रतिकर भुगतान हेतु फार्म सीसी/बैंक खाता/आधार कार्ड/फोटो आदि विवरण उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। इसी क्रम में एन0एच0 28 पर बनने वाले आर0ओ0बी0 निर्माण में आने वाली दिक्कतों के निदान हेतु सभी अधिकारियों को समन्वय स्थापित कर निराकरण हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में उप जिलाधिकारी खलीलाबाद हृदय राम तिवारी, उप जिलाधिकारी मेहदावल अरुण कुमार, तहसीलदार खलीलाबाद आनंद ओझा एवं रेलवे के उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सामान्य उपस्थित रहे।

बहराइच में अवैध मदरसे पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद बहराइच के हुजूरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत धिसीयौना गांव में प्रशासन ने अवैध रूप से संचालित मदरसे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। प्रशासनिक टीम की मौजूदगी में अवैध निर्माण को ढहाने का कार्य जारी है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार बिना वैध अनुमति और नियमों के विपरीत किए गए निर्माण पर कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और जो भी निर्माण अवैध पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुटी रही, जबकि प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है।"कानून से ऊपर कोई नहीं, जो अवैध है वो हटेगा!"

बलरामपुर जिले तहसील तुलसीपुर में ओवर ब्रिज का निर्माण जोरों पर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बलरामपुर जिले में तहसील तुलसीपुर के अंतर्गत रिपोर्टर द्वारा सूचना के अनुसार हम आपकोछ बताते चलें कि हरिया तिराहे पर ओवर ब्रिज का काम सही ढंग से किया जा रहा है इसी तरह से तेजी से कम होता रहेगा घाटन में समय नहीं लगेगी कर चोरों पर है बढ़िया चल रहा है सहायक ठेकेदार सचिन के द्वारा कम सही ढंग से किया जा रहा है माननीय मुख्यमंत्री जी का योजना लाभ दिखाई दे रहा है ओवर ब्रिज का निर्माण 2027 तक लगता है हो जाएगा।

कार्यालय : ग्राम पंचायत- भैसहवा, वि.ख.- जोगिया, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत– **भैसहवा** विकसित भारत गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) VB-G RAM G/पंचम वित्त/सष्ठम वित्त/15 वां/16 वां वित्त/स्वच्छ भारत निशन/केन्द्रीय वित्त आयोग विधायक निधि/सांसद निधि/आगनबाड़ी/सामुदायिक शौचालय/प्राथमिक विद्यालय पर शौचालय/पंचायत भवन/अन्त्येाष्टि स्थल विकास निर्माण कार्य/छठ पूजा घाट/खेल मैदान/वाटर सप्लाई एवं अन्य निधि के अनतर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट इन्टरलाकिंग, ईट, ईट टुकड़ा, महीन बालू, सिमेंट, मोरंग, बालू व वर्मी कम्पोस्ट एवं हयूम पाईप सरिया, पेन्ट, वांयरिंग, पत्थर गिटी, सोलर लाईट स्ट्रीट लाईट ठेला कुदाल झाड़ू ब्लीचिंग पाउडर चूना कूड़ादान फांगिग मशीन झाड़ी झंखाड़ कटाई/नाली सफाई एवं कूड़ा निस्तारण कार्य एस०एल०डब्लू०एम०/ई०बी०आर० के तहत प्लास्टिक बैग, गणक स्थायी कचरा समाग्री इण्डिया मार्का–2 हैण्ड पम्प रिबोर/मरम्मत ईट की गिट्टी इत्यादि सामाग्री से सम्बन्धित आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म ईट भटठा मालिक/आपूर्ति कर्ता दिनांक 05/06/2026 को 10 बजे तक आपूर्ति हेतु निविदा दर पर एवं वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत **भैसहवा** के निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा दिनांक 05/06/2026 को अपराहन 01 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताए पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धन राशि 2000 रु० होगी। **नियम व शर्त :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **भैसहवा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **भैसहवा** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।

मीरा भारती
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत-भैसहवा
वि.ख. - जोगिया

मुस्तफा
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत-भैसहवा
वि.ख. - जोगिया

कार्यालय : ग्राम पंचायत- गंगवा छपिया, वि.ख.- जोगिया, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत– **गंगवा छपिया** विकसित भारत गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) VB-G RAM G/पंचम वित्त/सष्ठम वित्त/15 वां/16 वां वित्त/स्वच्छ भारत निशन/केन्द्रीय वित्त आयोग विधायक निधि/सांसद निधि/आगनबाड़ी/सामुदायिक शौचालय/प्राथमिक विद्यालय पर शौचालय/पंचायत भवन/अन्त्येाष्टि स्थल विकास निर्माण कार्य/छठ पूजा घाट/खेल मैदान/वाटर सप्लाई एवं अन्य निधि के अनतर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट इन्टरलाकिंग, ईट, ईट टुकड़ा, महीन बालू, सिमेंट, मोरंग, बालू व वर्मी कम्पोस्ट एवं हयूम पाईप सरिया, पेन्ट, वांयरिंग, पत्थर गिटी, सोलर लाईट स्ट्रीट लाईट ठेला कुदाल झाड़ू ब्लीचिंग पाउडर चूना कूड़ादान फांगिग मशीन झाड़ी झंखाड़ कटाई/नाली सफाई एवं कूड़ा निस्तारण कार्य एस०एल०डब्लू०एम०/ई०बी०आर० के तहत प्लास्टिक बैग, गणक स्थायी कचरा समाग्री इण्डिया मार्का–2 हैण्ड पम्प रिबोर/मरम्मत ईट की गिट्टी इत्यादि सामाग्री से सम्बन्धित आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म ईट भटठा मालिक/आपूर्ति कर्ता दिनांक 05/06/2026 को 10 बजे तक आपूर्ति हेतु निविदा दर पर एवं वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत **गंगवा छपिया** के निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा दिनांक 05/06/2026 को अपराहन 03 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताए पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धन राशि 2000 रु० होगी। **नियम व शर्त :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **गंगवा छपिया** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **गंगवा छपिया** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।

अतीऊल्लाह
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत-गंगवा छपिया
वि.ख. - जोगिया

मुस्तफा
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत-गंगवा छपिया
वि.ख. - जोगिया

कार्यालय : ग्राम पंचायत- सेखुइया, वि.ख.- जोगिया, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत– **सेखुइया** विकसित भारत गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) VB-G RAM G/पंचम वित्त/सष्ठम वित्त/15 वां/16 वां वित्त/स्वच्छ भारत निशन/केन्द्रीय वित्त आयोग विधायक निधि/सांसद निधि/आगनबाड़ी/सामुदायिक शौचालय/प्राथमिक विद्यालय पर शौचालय/पंचायत भवन/अन्त्येाष्टि स्थल विकास निर्माण कार्य/छठ पूजा घाट/खेल मैदान/वाटर सप्लाई एवं अन्य निधि के अनतर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट इन्टरलाकिंग, ईट, ईट टुकड़ा, महीन बालू, सिमेंट, मोरंग, बालू व वर्मी कम्पोस्ट एवं हयूम पाईप सरिया, पेन्ट, वांयरिंग, पत्थर गिटी, सोलर लाईट स्ट्रीट लाईट ठेला कुदाल झाड़ू ब्लीचिंग पाउडर चूना कूड़ादान फांगिग मशीन झाड़ी झंखाड़ कटाई/नाली सफाई एवं कूड़ा निस्तारण कार्य एस०एल०डब्लू०एम०/ई०बी०आर० के तहत प्लास्टिक बैग, गणक स्थायी कचरा समाग्री इण्डिया मार्का–2 हैण्ड पम्प रिबोर/मरम्मत ईट की गिट्टी इत्यादि सामाग्री से सम्बन्धित आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म ईट भटठा मालिक/आपूर्ति कर्ता दिनांक 06/06/2026 को 10 बजे तक आपूर्ति हेतु निविदा दर पर एवं वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत **सेखुइया** के निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा दिनांक 06/06/2026 को अपराहन 01 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताए पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धन राशि 2000 रु० होगी। **नियम व शर्त :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **सेखुइया** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **सेखुइया** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।

हनुमान
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत-सेखुइया
वि.ख. - जोगिया

मुस्तफा
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत-सेखुइया
वि.ख. - जोगिया

बी0एड0 संयुक्त प्रवेश परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट नकलविहीन,पारदर्शी परीक्षा को लेकर तैयारियां पूर्ण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश बी0एड0 संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2026–28 को सकुशल, नकलविहीन एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं प्रतिबद्ध है। जिलाधिकारी के निर्देशन में परीक्षा की शुचिता एवं गोपनीयता बनाए रखने हेतु व्यापक तैयारियां सुनिश्चित की गई हैं तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिलाधिकारी द्वारा परीक्षा के सफल संचालन हेतु अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) वागीश कुमार शुक्ल को नगर प्रभारी नामित किया गया है।

इस परीक्षा के सफल संचालन हेतु आज कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला की अध्यक्षता मे बैठक की गयी, बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 ने कहा कि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा के प्राचार्य प्रो0 (डॉ0) प्रमोद कुमार को जनपद नोडल समन्वयक तथा राजकीय मॉडल महाविद्यालय पवनी कला के प्राचार्य डॉ0 परवेज आलम को उप नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। परीक्षा केन्द्रों पर निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित परीक्षा संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केन्द्र प्रतिनिधियों की तैनाती गयी है। यह परीक्षा दिनांक 31 मई,2026 को प्रथम पाली सुबह 09:00 से 12:00 बजे, द्वितीय पाली में 02:00 बजे से 05:00 बजे तक, जनपद में 06 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है, इस परीक्षा में कुल 2186 परीक्षार्थी सम्मलित होगें। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर एक स्ट्रेटिक मजिस्ट्रेट तैनात किये गये है। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा एवं गोपनीयता बनाए रखने के लिए उन्हें कोषागार के डबल लॉक में सुरक्षित रखा जाएगा तथा परीक्षा सामग्री को निर्धारित समय पर परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाने हेतु विशेष व्यवस्था की गई है। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराई जा सके। इसके अतिरिक्त संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा परीक्षा से संबंधित गोपनीय अभिलेखों एवं सामग्री की सुरक्षा हेतु कड़े प्रबंध किए गए हैं।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासन की मंशा के अनुरूप परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं शुचिता के साथ सम्पन्न कराया जाएगा तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जनपद में आँधी-तूफान, वज्रपात, ओलावृष्टि एवं भारी वर्षा की संभावना, प्रशासन सतर्क

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। भारत मौसम विज्ञान विभाग, लखनऊ द्वारा जारी ताजा मौसम पूर्वानुमान एवं रेड अलर्ट के अनुसार जनपद सोनभद्र सहित पूर्वी उत्तर प्रदेश में आगामी 31 मई 2026 तक तेज आँधी–तूफान, मेघगर्जन, वज्रपात, ओलावृष्टि एवं भारी वर्षा होने की प्रबल संभावना व्यक्त की गई है। कुछ स्थानों पर 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रतार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी भी जारी की गई है। जिलाधिकारी सोनभद्र ने समस्त संबंधित विभागों को हाई अलर्ट पर रहने तथा किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य, विद्युत, अग्निशमन, सिंचाई, नगर निकाय एवं आपदा प्रबंधन विभाग को आपसी समन्वय बनाकर त्वरित राहत एवं बचाव कार्य हेतु सतर्क रहने को कहा गया है। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा है कि खराब मौसम के दौरान अत्यंत आवश्यक होने पर ही घरों से बाहर निकलें तथा प्रशासन एवं मौसम विभाग द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि आंधी एवं वज्रपात के दौरान पेड़ों, बिजली के खंभों एवं कच्चे मकानों से दूर रहें। खुले मैदान, खेत, तालाब एवं जलाशयों के पास न जाएं तथा बच्चों एवं पशुओं को सुरक्षित स्थान पर रखें। किसी भी आपदा अथवा आपात स्थिति की सूचना तत्काल जिला आपदा नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नम्बर 05444–297645 अथवा टोलफ्री नम्बर 1077 पर उपलब्ध कराएं। जनपद प्रशासन द्वारा स्थिति की निरंतर निगरानी की जा रही है।

8वें वेतन आयोग में पेंशनरों को भी मिले पूरा लाभ : डॉ. जय प्रकाश नायक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (ठाकुराई) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश नायक ने केंद्र सरकार से मांग की है कि 8वें वेतन आयोग में पेंशनरों को भी वही सुविधाएं और लाभ दिए जाएं, जो 6वें और 7वें वेतन आयोग में प्रदान किए गए थे। उन्होंने कहा कि जानकारी मिल रही है कि 8वें वेतन आयोग के प्रस्ताव में पेंशन को "नॉन–फंडिंग व्यवस्था" बताया गया है और सरकार पुराने पेंशनरों को आयोग के लाभ से वंचित करने की तैयारी कर रही है। डॉ. नायक ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए कहा कि अब तक जितने भी वेतन आयोग लागू हुए हैं, उनमें पेंशनरों को भी वेतन पुनरीक्षण का लाभ दिया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि यह कहना गलत है कि पेंशन नॉन–फंडिंग व्यवस्था है, क्योंकि इसके लिए पहले से ही लगभग दस लाख करोड़ रुपये की व्यवस्था की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1973 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया था कि जब भी वेतन संरचना में बदलाव होगा, उसका लाभ पेंशनरों को भी दिया जाएगा। ऐसे में सरकार न्यायालय के निर्णय की अनदेखी नहीं कर सकती। डॉ. नायक ने मांग की कि आयोग की रिपोर्ट से "नॉन–फंडिंग" शब्द हटाया जाए तथा संस्तुतियां लागू करने से पहले पेंशनर्स संगठनों से वार्ता की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि पेंशन के लिए सुरक्षित रखी गई राशि का उपयोग केवल पेंशन भुगतान में ही किया जाए। उन्होंने मांग की कि सभी पेंशनरों को वेतन संरचना का लाभ उसी तिथि से दिया जाए, जिस तिथि से यह आयोग कार्यरत कर्मचारियों पर लागू किया जाएगा। साथ ही फाइनेंस एक्ट 2025 की विवादित धाराओं को निरस्त करने तथा पेंशनरों को आयोग की सभी चर्चाओं में शामिल करने की मांग भी की। डॉ. नायक ने डी.एस. नकारा मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि "पेंशन कोई दया नहीं, बल्कि सेवा के बदले अर्जित अधिकार और डिफर्ड सैलरी है।" उन्होंने कहा कि प्रदेश में लाखों पेंशनभोगी शिक्षक हैं, जिनका पूरा परिवार पेंशन पर निर्भर है। यदि उनके साथ किसी प्रकार का भेदभाव किया गया तो उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (ठाकुराई) इसके विरोध में आंदोलन करेगा।

कुंवानों के पगारे घाट पर चला स्वच्छता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शुक्रवार को जनसहभागिता के माध्यम से कुवांनो नदी के जीर्णोद्धार अभियान की कड़ी में विकास खण्ड रामनगर के ग्राम पंचायत नरकटहा अन्तर्गत पगारे घाट पर जीर्णोद्धार अभियान की शुरूआत किया गया। ब्लाक प्रमुख रामनगर यशकान्त सिंह, जिला पंचायत सदस्य सुबाष यादव एवं खण्ड विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने घाट पर साफ–सफाई किया। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। स्वच्छता अभियान के बाद ब्लाक प्रमुख रामनगर यशकान्त सिंह ने कहा नदियां भारतीय संस्:ति की

धरोहर है जैसे शरीर में धमनिया रक्त का प्रवाह करती है वैसे हमारी नदिया पूरे ब्रहमाण्ड में जल प्रवाह को अविरल बनाती है। प्राचीन भारत के इतिहास को देखने पर पता चलता है कि किसी भी बड़े शहर या बड़ी सभ्यतायें विकसित हुई है वे सभी नदियों के किनारे थी । भारतीय संस्:ति में नदिया हमारी आस्था का प्रतीक है ये हमारी भावनाओं व चेतना को जागृति रखती है। वर्तमान समय में हमारी नदिया अपने मूल स्वरूप को खो रही है। उनका जल स्तर घट रहा है नदियो को दूषित किया जा रहा है हम एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमारा यह नैतिक कर्तव्य बनता है कि हम अपनी धरोहर को सजोये और इसके मूल स्वरूप को नष्ट होने से बचाये। उन्होने कुंआनों को प्रदूषण मुक्त करने के लिये लोगों से सहयोग का आग्रह किया। इस अवसर पर भाजपा रामनगर के मंडल अध्यक्ष गिरजेश यादव, महामंत्री गिरजेश मिश्रा, प्रदीप सिंह, सुरेश पाण्डेय, रामशंकर गुप्ता, रामचन्दर, रिसव सिंह, रमेश सिंह, वीर श्रीवास्तव तथा ग्राम प्रधान, वीरेन्द्र कुमार चौधरी एवं ग्राम पंचायत सचिव शिवनन्दन त्रिपाठी सहित सैकड़ो की संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहें।

बाल गृह का किया गया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उच्च न्यायालय के निर्देश तथा जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, के आदेशानुसार 29 मई 2026 को समिति के सदस्यगण द्वारा इन्द्रपुरी कॉलोनी, राबर्ट्सगंज स्थित पूर्वाशी ग्रामीण उत्थान विकास सेवा समिति द्वारा संचालित बाल गृह (बालिका) का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बाल गृह की अधीक्षिका नीलम सिंह सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। निरीक्षण के समय बाल गृह में कुल 48 बालिकाएं एवं एक नवजात शिशु आवासित पाए गए। इनमें सोनभद्र, मीरजापुर, शाहजहांपुर एवं भदोही जनपद की बालिकाएं शामिल हैं। समिति द्वारा बाल गृह में साफ–सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, भोजन एवं अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया गया। बालिकाओं को निर्धारित मीनू के अनुसार नाश्ता एवं भोजन उपलब्ध कराए जाने की पुष्टि की गई। इस अवसर पर मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन से संबंधित विभिन्न कानूनों एवं अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही घरेलू हिंसा, दहेज प्रतिषेध, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संरक्षण तथा विधिक सहायता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। यह जानकारी राहुल, सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा दी गई।

पूर्व प्रधान पर विधवा की जमीन धोखे से बैनामा कराने का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र के खेसरहा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम भलुहा में एक पूर्व प्रधान पर 71 वर्षीय विधवा महिला की जमीन धोखे से अपने पक्ष में बैनामा कराने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़िता ने बांसी कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम भलुहा निवासी सुखना देवी पत्नी स्वर्गीय दशरथ ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनके पति का निधन 10 फरवरी 2025 को हो गया था। उनके तीन पुत्र विनोद कुमार, राजकुमार और विजय कुमार रोजगार के सिलसिले में अक्सर घर से बाहर रहते हैं। पीड़िता के अनुसार उनके पति के नाम गाटा संख्या 80 रकबा 0.093 हेक्टेयर, गाटा संख्या 191क रकबा 0.089 हेक्टेयर तथा गाटा संख्या 81 रकबा 0.902 हेक्टेयर भूमि दर्ज है। पति की मृत्यु के बाद उन्होंने गांव के लोगों पर भरोसा करते हुए राजस्व अभिलेखों में अपना और पुत्रों का नाम दर्ज कराने की जिम्मेदारी उन्हें सौंप दी थी। महिला का आरोप है कि इसी दौरान दोनों आरोपित उन्हें मोटरसाइकिल से बांसी ले गए और यह कहते रहे कि जमीन पर उनका और उनके पुत्रों का नाम दर्ज कराया जा रहा है। आरोप है कि आपराधिक षड्यंत्र के तहत 14 मई 2026 को उनकी पूरी हिस्सेदारी का बैनामा कमलावती पत्नी रामचंद्र के नाम करा दिया गया। पीड़िता ने बताया कि वह अनपढ़ हैं और उन्हें इस बात की जानकारी तक नहीं हुई कि जमीन का विक्रय पत्र तैयार कराया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विक्रय पत्र में उनके मोबाइल नंबर की जगह किसी अन्य व्यक्ति का नंबर दर्ज कराया गया। गांव में चर्चा होने पर उन्होंने अपने पुत्रों को जानकारी दी, जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। महिला का कहना है कि जमीन के बदले उन्हें कोई धनराशि भी नहीं दी गई। इस संबंध में जब सब रजिस्ट्रार बांसी राकेश राम से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि 14 मई को वह जिला मुख्यालय पर किसी कार्य से गए थे। उस दिन बैनामे का कार्य निबंधन लिपिक अमित कुमार पांडे द्वारा किया गया था तथा रजिस्ट्री नियमानुसार कराई गई है वहीं बांसी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पाठक ने बताया कि पीड़िता की तहरीर प्राप्त हुई है। मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल कॉलेज में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिये मैनपावर एवं उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज मेडिकल कॉलेज में इंस्ट्रूमेंट एवं मैनपावर की समस्या के संबंध में अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज के माध्यम से जन–जन को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना शासन एवं प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में मैनपावर के अभाव में जिन उपकरणों एवं इंस्ट्रूमेंट्स

का संचालन प्रभावित हो रहा है, उनके लिए संबंधित विभागों के माध्यम से आवश्यक मैनपावर की नियुक्ति की कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित की जाए। साथ ही आवश्यक चिकित्सा उपकरणों एवं इंस्ट्रूमेंट्स की खरीद जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) के माध्यम से कराए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सु.ढ़ बनाने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सुरक्षा कर्मियों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से निर्धारित की जाए तथा रोस्टर के अनुसार उनकी ड्यूटी लगाई जाए। उन्हों ने समय–समय पर मेडिकल कॉलेज परिसर में सुरक्षा व्यवस्था की पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए, ताकि मरीजों एवं तीमारदारों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) वागीश कुमार शुक्ला, प्राचार्य मेडिकल कॉलेज डॉ. आनंद कुमार सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी इंद्रभान सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक ने सुनी आमजन की समस्याएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों एवं नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, साइबर अपराध, गुमशुदगी, राजस्व संबंधी प्रकरणों सहित विभिन्न पुलिस संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारीगण एवं थाना प्रभारियों को शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत की तथ्यपरक जांच करते हुए पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना प्राथमिकता रहे। साथ ही शिकायतकर्ताओं को की गई कार्यवाही से समय–समय पर अवगत कराने तथा जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशील एवं जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा उत्पीड़न पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। जिन प्रकरणों में तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें प्राथमिकता के आधार पर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पुरानी रंजिश में मारपीट, पांच लोगों पर दर्ज हुई एफआईआर

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र के टडिया गांव में पुरानी रंजिश को लेकर बृहस्पतिवार की रात जमकर मारपीट का मामला सामने आया है।

आरोप है कि एक ही परिवार के कुछ लोगों ने गोल बनाकर एक व्यक्ति पर लाठी–डंडे और लोहे की सरिया से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बीच–बचाव करने पहुंचे परिवार के अन्य सदस्यों को भी मारपीट कर घायल कर दिया गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टड़िया गांव निवासी गुरु प्रसाद ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि गांव के मुनीराम से पुरानी रंजिश चली आ रही थी। आरोप है कि बृहस्पतिवार की रात करीब साढ़े आठ बजे मुनीराम अपने परिवार के मनोरथ, सुमिरन समेत अन्य लोगों के साथ लाठी–डंडा और लोहे की सरिया लेकर उनके घर पहुंच गया।

आरोपियों ने गाली–गलौज करते हुए उनके भाई सुनील पर हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गए। पीड़ित के अनुसार, जब वह स्वयं तथा नेमा देवी, मोनी और उनके पिता बीच–बचाव करने पहुंचे तो आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया। मारपीट में सभी को गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर जब गांव के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुनीराम समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

सिद्धार्थनगर में पेट्रोल पंपों पर सख्ती, बिना हेलमेट नहीं मिलेगा पेट्रोल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में सुरक्षा व्यवस्था एवं संवेदनशील परिस्थितियों को देखते हुए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन द्वारा पेट्रोल पंपों पर सख्ती बढ़ा दी गई है। जारी आदेश के अनुसार अब जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर "नो हेलमेट, नो यूल" नीति को कड़ाई से लागू किया जाएगा। साथ ही जरीकेन में डीजल–पेट्रोल देने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि बड़ी संख्या में लोग बिना हेलमेट के पेट्रोल भरवा रहे हैं। इसके अलावा कई लोग जरीकेन में आवश्यकता से अधिक डीजल ले रहे हैं, जिससे अवैध भंडारण एवं दुरुपयोग की आशंका बढ़ रही है। कुछ मामलों में नाबालिग बच्चों द्वारा भी लाइन में लगकर जरीकेन में डीजल लेने की बात सामने आई है। इसी को देखते हुए प्रशासन ने जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देशित किया है कि बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल न दिया जाए तथा किसी भी व्यक्ति को एक से अधिक जरीकेन में डीजल–पेट्रोल न दिया जाए। नाबालिग बच्चों को जरीकेन में ईंधन देने पर भी रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में यह भी कहा गया है कि सभी उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारी अपने–अपने क्षेत्रों में इस आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराएंगे। क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षक एवं पुलिस बल पेट्रोल पंपों का लगातार औचक निरीक्षण करेंगे। यदि किसी पेट्रोल पंप पर आदेशों के पालन में लापरवाही पाई गई तो संबंधित संचालक एवं प्रबंधक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनपद में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता है, इसलिए लोग अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक भंडारण से बचें।

अपराध से अर्जित 15.29 लाख मूल्य की 02 पिकअप वाहन कुर्क

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा गैंगस्टर एक्ट के तहत वांछित अभियुक्तों की गिरतारी एवं अपराध से अर्जित अवैध सम्पत्तियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रूणवाल के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के निकट पर्यवेक्षण में थाना दुद्धी पुलिस द्वारा बड़ी कार्यवाही करते हुए गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्तों की अपराध से अर्जित चल सम्पत्ति को कुर्क किया गया। थाना दुद्धी पर पंजी.त मु0अ0सं0 01/2026 धारा 3(1) उ0प्र0 गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 से सम्बन्धित अभियुक्तगण द्वारा अपराध जगत से अर्जित धन से क्रय की गयी चल सम्पत्ति को श्रीमान जिलाधिकारी सोनभद्र, जनपद सोनभद्र के आदेश के अनुपालन में अन्तर्गत धारा 14(1) उ0प्र0 गैंगस्टर एक्ट के तहत नियमानुसार कुर्क किया गया। कुर्क की गयी सम्पत्ति में गैंग सदस्य अखिलेश कुमार यादव पुत्र बैजनाथ यादव निवासी कूदल थाना कोन जनपद सोनभद्र के नाम पंजी. त वाहन संख्या न्च64ब्ब4309 पिकअप वाहन कीमत लगभग ध्10,29,200/– तथा गैंग सदस्य आशीष यादव पुत्र राजेन्द्र यादव निवासी मुडीसेमर (जामपानी) थाना विण्ढमगंज जनपद सोनभद्र के नाम पंजी. त वाहन संख्या न्च64ब्ब2715 पिकअप वाहन कीमत लगभग ध्5,00,000/– शामिल है। कुर्क की गयी सम्पत्ति की कुल अनुमानित कीमत ध्15,29,200/– (पन्द्रह लाख उन्तीस हजार दो सौ रुपये मात्र) है। पुलिस द्वारा गठित टीम ने उक्त गैंग के सदस्यों द्वारा अपराध से अर्जित धन से खरीदी गयी सम्पत्तियों को चिन्हित करते हुए नियमानुसार कुर्की की कार्यवाही पूर्ण की। प्रकरण में अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

दवाइयां हुईं फेल तो टीवी एक्ट्रेस नारायणी शास्त्री के काम आया योग

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री नारायणी शास्त्री ने गुरुवार को अपनी सेहत से जुड़ा बड़ा अपडेट दिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर बताया कि रात को उतनी तबीयत अचानक इतनी खराब हो गई थी, जिससे उन्हें आधी रात में अस्पताल जाना पड़ा। वीडियो में अभिनेत्री बताती हैं कि रात करीब 2 बजे उनके पेट में असहनीय दर्द शुरू हो गया। शुरू में, तो उन्हें लगा कि यह सिर्फ गैस की सामान्य समस्या है, लेकिन दिक्कत ज्यादा बढ़ी, तो उन्हें अस्पताल जाना पड़ा। वीडियो में नारायणी शास्त्री कहती हैं, पिछली रात मेरे लिए बहुत भयावह थी। रात करीब 2 बजे मेरे एब्डोमेन में बहुत तेज दर्द शुरू हो गया था। पहले तो मुझे लगा कि ये मामूली–सा गैस का दर्द है, लेकिन दर्द किसी एक खास जगह पर नहीं था, बल्कि पूरे पेट के हिस्से में हो रहा था, इसलिए मैंने पुदीना, अजवाइन और जो कुछ भी मेरे पास था, सब आजमाकर देखा, लेकिन दर्द बढ़ता ही जा रहा था। फिर मेरे पति टोनी मुझे तुरंत अस्पताल ले गए।

उन्होंने बताया, दर्द इतना हो रहा था कि मैं लोट–पोट हो रही थी। मुझे चक्कर भी आ रहा था। डॉक्टर ने तुरंत मुझे पेनकिलर दी। मेरे सीटी स्कैन और ब्लड टेस्ट की सभी रिपोर्ट सामान्य आईं, किसी तरह की कोई समस्या नहीं मिली। इसके बाद जब मैं घर लौटी, तो सोचने लगी कि आखिर परेशानी की वजह क्या हो सकती है। मुझे लगा कि शायद मेरी नाभि खिसक गई है। फिर मैंने कुछ योग अभ्यास किए और अब मैं काफी बेहतर महसूस कर रही हूं। योग की जय हो।

नारायणी शास्त्री पिछले दो दशकों से मनोरंजन जगत का हिस्सा रही हैं। उन्होंने क्योंकि सास भी कभी बहू थी, पिया का घर, और रिश्तों का चक्रव्यूह जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में अपने दमदार किरदारों से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है।

जेनिफर लोपेज ने ब्रेकअप के बाद मिटाईं यादें! एक्स–हस्बैंडबेन एफ्लेक से जुड़ा टैटू बदला, बैकलेस ड्रेस में दिखी नए टैटू की झलक

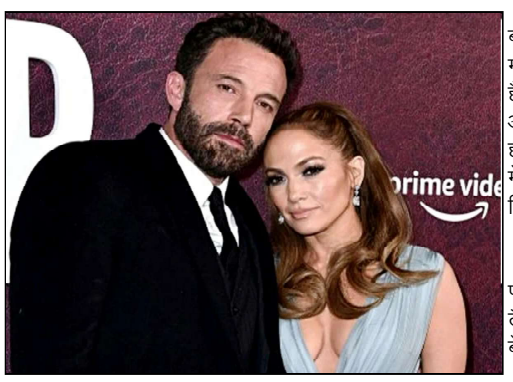

हॉलीवुड की मशहूर सिंगर और एक्ट्रेस जेनिफर लोपेज एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर जेनिफर की कुछ नई तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिन्हें देखकर यह साफ अंदाजा लगाया जा रहा है कि उन्होंने अपने एक्स–हस्बैंड बेन एफ्लेक (ठमद ।सिमबा) की यादों को हमेशा के लिए मिटाने का फैसला कर लिया है। वायरल तस्वीरों में जेनिफर अपने शरीर पर बने बेन के नाम के खास टैटू को छिपाती (डवकपलि करती) नजर आ रही हैं।

क्या बेन का नाम हट गया?

इस फैमिली गैदरिंग के दौरान, जेनिफर ने एक बैकलेस ड्रेस पहनी थी, जिसमें उनका टैटू साफ दिखाई दे रहा था। पहले, इस टैटू में एक इनफिनिटी सिंबल बना था, जिसके अंदर जेनिफर और बेन दोनों के नाम लिखे थे, और उसके ऊपर एक तीर बना था। लेकिन, हाल ही में सामने आई फोटो में, जेनिफर का नाम तो दिखाई दे रहा है, लेकिन बेन का नाम छिपा हुआ लग रहा है।

यह टैटू कब बनवाया था?: जेनिफर ने पहली बार यह टैटू फरवरी 2023 में, वैलेंटाइन्स डे के दिन दिखाया था। उस समय, जेनिफर और बेन एफ्लेक अपनी शादी के बाद अपना पहला वैलेंटाइन्स डे एक साथ मना रहे थे। उस समय, उन्होंने इसके साथ कैप्शन लिखा था, श्कमिटमेंट... हैप्पी वैलेंटाइन्स डे, मेरे प्यार।श बेन एफ्लेक ने भी उसी समय के आस–पास एक मैचिंग टैटू बनवाया था, जिसमें श्श्रश और श्ठश के शुरुआती अक्षर और दो क्रॉस किए हुए तीर बने थे। लेकिन, यह साफ नहीं है कि क्या आज भी उनके शरीर पर वह टैटू मौजूद है। जेनिफर और बेन की मुलाकात कब हुई थी?: जेनिफर और बेन की पहली मुलाकघत 2002 में, फिल्म गिगली की शूटिंग के दौरान हुई थी। दोनों ने उसी साल सगाई कर ली थी, लेकिन 2004 में वे अलग हो गए। इसके बाद, 2021 में दोनों फिर से एक–दूसरे के करीब आए, 2022 में सगाई की, और उसी साल जुलाई में शादी कर ली। जेनिफर ने अगस्त 2024 में, अपनी शादी की दूसरी सालगिरह पर तलाकघ के लिए अर्जी दी थी, और जनवरी 2025 में उनका तलाकघ पक्का हो गया। एक इंटरव्यू में, अपने ब्रेकअप के बारे में खुलकर बात करते हुए जेनिफर ने कहा, श्मुझे इस बात का बिल्कुल भी अफसोस नहीं है। हाँ, यह मेरे लिए बहुत मुश्किल समय था, लेकिन अब मुझे लगता है कि मुझे ठीक इसी चीज की जरूरत थी।श

मैं खुद को बहुत सीरियसली नहीं लेता: सैफ अली खान

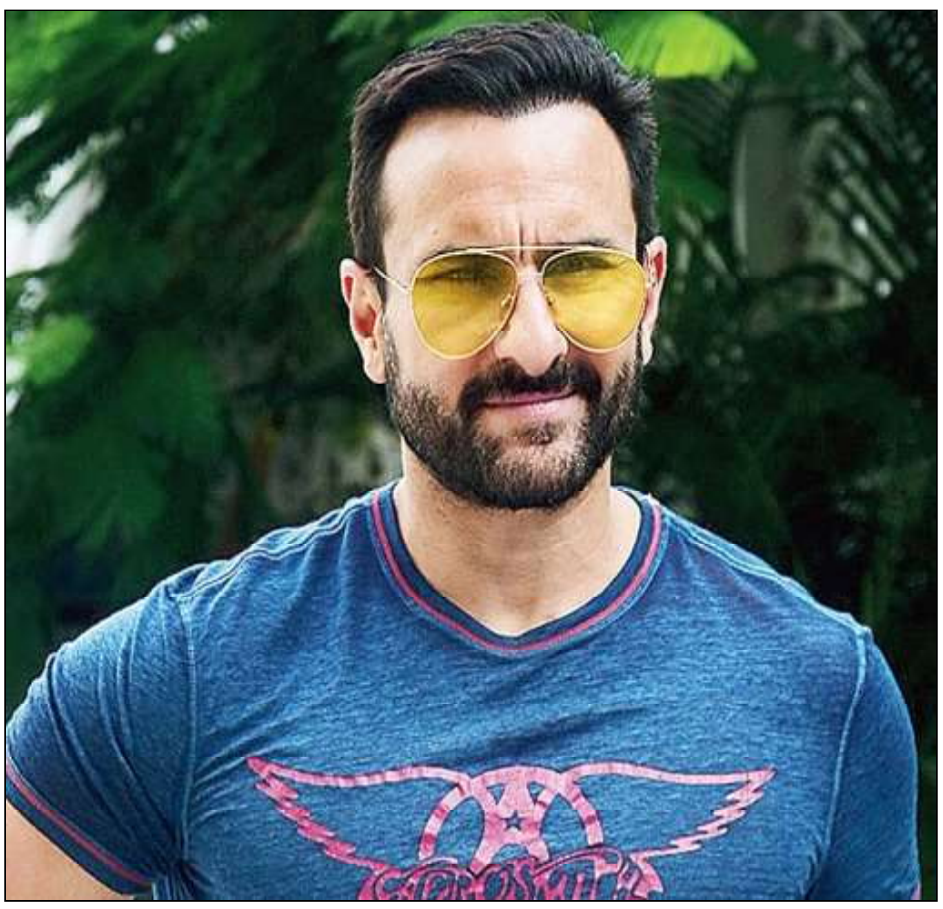

अभिनेता सैफ अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग नेटफ्लिक्स की फिल्म श्कर्तव्यश्च को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच प्रमोशन में व्यस्त अभिनेता ने बताया कि मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। से बातचीत में सैफ अपनी 25 साल पुरानी वायरल लाइन मैं गिटार खेलता हूं पर न केवल प्रतिक्रिया दी बल्कि क्लिप को बेहद मजेदार भी बताया। इंटरव्यू के दौरान जब उनके को–स्टार रसिका दुग्गल और मनीष चौधरी से पूछा गया कि सैफ सेट पर भी वन–लाइनर्स देते हैं या नहीं तो रसिका ने उनकी कॉमिक टाइमिंग की तारीफ करते हुए कहा, हर समय! वह हर समय खूब मस्ती करने वाले एक्टर्स में से हैं।

इस पर सैफ ने कहा, मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। एक बार जब सीन ठीक से कर लेते हैं, उसके बाद थोड़ी मस्ती भी कर सकते हैं।

बातचीत के दौरान उन्हें दूरदर्शन पर दिए गए लगभग 25 साल पुराने इंटरव्यू की याद दिलाई गई, जिसमें वह कहते सुनाई देते हैं– मैं गिटार खेलता हूं। यह क्लिप आज भी सोशल मीडिया पर बार–बार वायरल होती रहती है।

इस पर सैफ ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मैंने वह क्लिप देखी है। वह मजेदार है, बहुत ही ज्यादा मजेदार। उस क्लिप में हर तरह की चीजें हैं। उन्होंने आगे कहा कि उस इंटरव्यू में कई ऐसी बातें हैं जो अब गैरकानूनी मानी जाएंगी और शायद उस समय भी गैरकानूनी रही होंगी।

उसी पुराने इंटरव्यू में सैफ ने अपनी पसंदीदा अभिनेत्रियों मधुबाला और जीनत अमान की तुलना भी की थी। इस पर सैफ ने कहा, उनके बीच के अंतर के साथ... मुझे नहीं पता कि वह अंतर क्या था। यह बहुत ही अजीब बात है। श्कर्तव्यश्च फिल्म के प्रमोशन में सैफ ने अपने काम के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि आजकल क्राइम ड्रामा बहुत ज्यादा हैं, लेकिन एक अभिनेता के रूप में वह हर बार किरदार में कुछ नया लाने की कोशिश करते हैं। सैफ ने बताया, मेरे लिए असली बात यह है कि आप उस इंसान का किरदार निभाएं, न कि सिर्फ पुलिसवाले का। हर इंसान अलग होता है।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर वही काम दोबारा करना पड़े तो निर्देशक और निर्माता मिलकर अलग माहौल तैयार करते हैं। सैफ का मानना है कि अगर अभिनेता अपने प्रति सच्चा रहे तो उसकी अपनी झलक किरदार में जरूर आएगी।

नेहा धूपिया ने स्वर्ण मंदिर में टेका माथा, अमृतसरी छोले–भटूरे का लिया स्वाद

बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी सिलसिले में वह पंजाब के अमृतसर पहुंचीं, जहां उन्होंने स्वर्ण मंदिर में माथा टेका। उन्होंने इस यात्रा की कई तस्वीरें और वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए हैं,

जिन्हें उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। नेहा धूपिया ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली तस्वीर स्वर्ण मंदिर की थी। इस तस्वीर में नेहा पवित्र सरोवर के पास खड़ी नजर आ रही है। उन्होंने सिर पर पेस्टल कलर का दुपट्टा ओढ़ रखा है और हाथ जोड़कर श्रद्धा के साथ प्रार्थना करती दिखाई दे रही है। वहीं अन्य तस्वीरों में वह अमृतसर के मशहूर खाने का भी आनंद लेती दिख रही है। एक वीडियो में वह लोकल शॉप पर छोले–भटूरे खाते हुई नजर आ रही है। वीडियो में उनके चेहरे की खुशी साफ बता रही है कि उन्हें पंजाब का यह स्वाद बेहद पसंद आया है। एक दूसरी तस्वीर में वह मजाकिया अंदाज में पोज देती दिख रही है।

इस पोस्ट के साथ नेहा धूपिया ने कैप्शन में लिखा, इस यात्रा की हर बात खास रही। कैप्शन में उन्होंने रेड हार्ट, हाथ जोड़ने और एंजल इमोजी का भी इस्तेमाल किया।

यह पहली बार नहीं है जब नेहा किसी धार्मिक जगह पर पहुंची हों। इससे पहले वह वृंदावन गई हैं। वहां उन्होंने सेवा कार्यों में हिस्सा लिया था।

अगर नेहा धूपिया के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2002 में मिस इंडिया का खिताब जीतकर ग्लैमर की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने फिल्म कयामतरू सिटी अंडर थ्रेट से बॉलीवुड में शुरुआत की। आगे चलकर जूली, क्या कूल हैं हम, शूटआउट एट लोखंडवाला, सिंह इज किंग, चुप चुप के और तुम्हारी सुलु जैसी फिल्मों में काम करके अपनी अलग पहचान बनाई।

फिल्मों के अलावा, नेहा टीवी की दुनिया में भी काफी सक्रिय रही हैं। वह कई रियलिटी शो में जज और होस्ट के रूप में नजर आ चुकी हैं। उनका चर्चित चौट शो नो फिल्टर नेहा भी काफी लोकप्रिय रहा। हाल ही में उन्होंने अपने पति अंगद बेदी के साथ मिलकर कपल–बेस्ड पॉडकास्ट फॉर्मेट लॉन्च किया, जिसमें वे चर्चित सेलिब्रिटी कपल्स से बातचीत करते हैं।

यूपी का अनोखा 'Frog Temple', यहां नंदी नहीं मेंढक हैं भोलेनाथ की सवारी, जानिए पूरा रहस्य

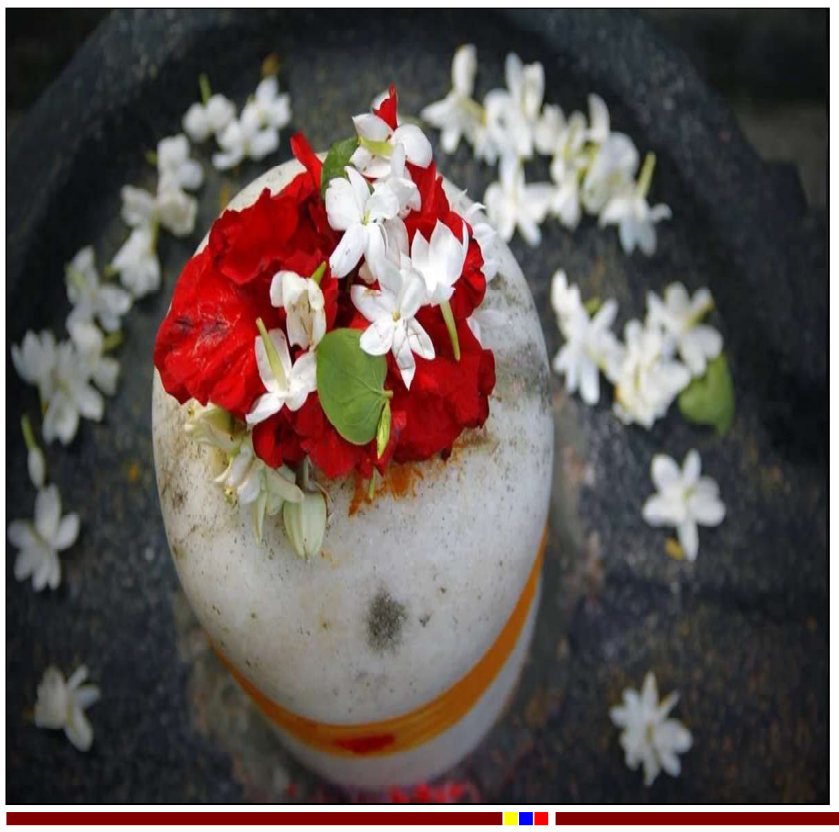

वैसे तो दुनियाभर में भगवान शिव के कई प्राचीन, अद्भुत और विशाल मंदिर स्थापित हैं। इस शिव मंदिरों को लेकर अपनी–अपनी मान्यताएं प्रचलित हैं। ऐसे में आज हम आपको उत्तर प्रदेश के एक अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जोकि वास्तुकला की दृष्टि से बहुत अनोखा है। यह अपनी तरह का एक मात्र मंदिर है। वहीं सावन और महाशिवरात्रि के पावन मौके पर इस मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिलती है। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मेंढक मंदिर के नाम से जाने वाले इस अद्भुत मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए कहां है मंदिरः उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के ओयल कस्बे में नर्मदेश्वर महादेव मंदिर स्थित है। यह मंदिर लखीमपुर–सीतापुर मार्ग पर लखीमपुर से करीब 12 की दूरी पर स्थित है। एक विशाल मेंढक की आकृति वाले चबूतरने पर मंदिर विराजमान है। जिस वजह से इसको श्मेंढक मंदिरश कहा जाता है।

मंदिर का निर्माणः साल 1860–1870 के बीच ओयल रियासत के राजा बख्श सिंह ने इस मंदिर का निर्माण करवाया था। इसके पीछे एक कथा प्रचलित है, जिसके मुताबिक चाहमाना वंश के राजा बख्श सिंह के राज में भयंकर सूखा अकाल पड़ गया था। राजा भोलेनाथ के भक्त थे और राजा ने एक तांत्रिक की सलाह पर श्मंडूक तंत्रश के आधार पर इस मंदिर का निर्माण मेंढक के आकार में कराया था। इस मंदिर के निर्माण का उद्देश्य बाढ़–सूखे से क्षेत्र की रक्षा करना था। ऐसे में ओयल कस्बे में स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर को सुख–समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

मुख्य विशेषताएंः नर्मदेश्वर महादेव मंदिर अपनी अनूठी वास्तुकला के लिए जाना जाता है, जोकि राजस्थानी वास्तुकला पर आधारित है। मंदिर एक विशाल मेंढक की आकृति के ऊपर बना है। जिसके ऊपर भोलेनाथ का मंदिर है।

भोलेनाथ नंदी पर नहीं बल्कि मेंढक की पीठ पर बैठे हैं और यहां पर मेंढक की पूजा की जाती है।

अन्य शिव मंदिरों में नंदी को बैठी हुई मुद्रा में देखा होगा, वहीं इस मंदिर में नंदी खड़ी मुद्रा में नजर आते हैं, जोकि अपने आप में अनूठा है।

नर्मदेश्वर मंदिर मांडुक तंत्र पर आधारित है।

इस मंदिर में स्थापित शिवलिंग नर्मदा नदी से लाया गया था। इसको लेकर मान्यता है कि यह शिवलिंग दिन में 3 बार रंग बदलता है।